आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

आज
* मेजर ध्यानचंद जयंती
* राष्ट्रीय खेल दिवस

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 40 अंक 28 | इंदौर, शनिवार 29 अगस्त, 2026 | भाद्रपद कृष्ण 1 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-4.00 | www.awantika.com

देश विदेश

पीएम की अपील पर 97% मंत्री इंस्टाग्राम पर एक्टिव

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 जुलाई 2026 को कैबिनेट बैठक में मंत्रियों से इंस्टाग्राम पर ज्यादा सक्रिय होने, रील बनाने व युवाओं से संवाद करने को कहा था। इसके बाद 24 अगस्त तक 29 में से 28 यानी 97% कैबिनेट मंत्रियों की इंस्टाग्राम एक्टिविटी बढ़ी है। जदयू के राजीव रंजन सिंह को छोड़ सभी मंत्री ज्यादा सक्रिय हैं। मोदी कैबिनेट में सबसे ज्यादा फॉलोअर्स गृह मंत्री शाह के बढ़े हैं। पिछले 1 महीने में उनके 8.53 लाख फॉलोअर्स बढ़े हैं। पीएम की सलाह के बाद मंत्रियों ने रील्स पर जोर दिया है। उपभोक्ता मामले, खाद्य व सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने नीतियों व अहम मुद्दों को रील्स के जरिए समझाने पर जोर दिया। मंत्रियों ने पिछले 1 महीने में 1,179 पोस्ट किए हैं।

रेडियो खराबी से डोलाल्ड ट्रम्प का हेलिकॉप्टर विमान के करीब पहुंचा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का हेलिकॉप्टर मरीन वन और एक यात्री विमान के करीब पहुंचने की वजह सामने आई है। जांच के मुताबिक रेडियो संपर्क में आई खराबी के कारण एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स को हेलिकॉप्टर की उड़ान से पहले मिलने वाली जरूरी चेतावनी नहीं मिल पाई। यह घटना 4 अगस्त को हुई थी। ट्रम्प को लेकर मरीन वन व्हाइट हाउस के पास से उड़ान भर रहा था, तभी रीगन नेशनल एयरपोर्ट से एक यात्री विमान को भी टेकऑफ की मंजूरी मिल गई। हेलिकॉप्टर और विमान कुछ देर के लिए काफी करीब आ गए, लेकिन पायलटों की सतर्कता से टकराव टल गया।

पाकिस्तान में 200 साल पुराना गुरुद्वारा गिराया

जालंधर। पाकिस्तान के बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में करीब 200 साल पुराने ऐतिहासिक श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा को गिरा दिया गया। अब इस जगह पर एक मॉल का निर्माण किया जा रहा है। बलूचिस्तान गुरुद्वारा सिंह सभा के सदस्य सरदार जसबीर सिंह के अनुसार, पूरा सिख समाज इसका विरोध कर रहा है, लेकिन अभी तक सरकार कोई एक्शन नहीं ले रही। उन्होंने बताया कि बलूचिस्तान में कभी 12 गुरुद्वारे थे, जिनमें से अब सिर्फ 2 बचे हैं। गुरुद्वारे को गिराए जाने पर भारत में भी कड़ा विरोध हो रहा है। भाजपा के नेशनल स्पोक्सपर्सन आरपी सिंह ने कहा कि ये पाकिस्तान में सिखों की विरासत खत्म करने की कोशिश है।

रक्षाबंधन पर्व पर रामदेव ने कंगना को मिठाइयां-रुपए भेजे

कहा- विवाद खत्म करें; एक्ट्रेस बोलीं- त्योहार पर भूल-चूक माफ, ईश्वर आपको लंबी आयु दे

हरिद्वार। रक्षाबंधन पर योग गुरु बाबा रामदेव ने अभिनेत्री और सांसद कंगना रनोट के लिए मिठाई और उपहार भेजा। उन्होंने एक लिफाफे में 500 रुपए के नोटों की गड्डी भी भेजी। इस दौरान रामदेव ने कहा कि रिश्तों में मिठास बनी रहनी चाहिए और पुराने गिले-शिकवे भुलाकर प्रेम के साथ आगे बढ़ना चाहिए। रामदेव ने कहा कि देश में किसी भी कारण से नफरत और एक-दूसरे के प्रति वैर भाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों उनके और कंगना रनोट के बीच विवाद की चर्चा हुई थी, जिसे संवाद के जरिए खत्म किया जाना चाहिए। मैं कंगना को फोन कर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दूंगा। इसके बाद कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर रामदेव का वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा- त्योहार का दिन होता है सब भूल-चूक माफ करने के लिए। मेरे भाई बाबा रामदेव जी ने बहुत अच्छी बात कही कि विवाद नहीं, संवाद होना चाहिए। आज रक्षाबंधन के दिन मैं उनकी मिठाई और बड़े भाई का प्रेम, दोनों स्वीकार करती हूं, बहुत धन्यवाद।

नैनो न्यूज

- **शेयर मार्केट :** सेंसेक्स 331 अंक चढ़कर 77,265 पर बंद, निफ्टी में 85 अंक की तेजी रही।
- **तमिलनाडु :** सीएम विजय तय सीट छोड़कर मंत्रियों के बीच बैठे: सदन की कार्यवाही में हिस्सा लिया, विधानसभा में ऐसा पहली बार हुआ।
- **मेरठ :** 10वीं के छात्र को 39 सेकेंड में 17 थप्पड़ जड़े, टीचर बोला- कॉलेज से तेरा नाम काट दूंगा, पिता ने कहा- बेटा डिप्रेशन में।
- **भोपाल :** रक्षाबंधन पर सतना-कटनी रूट पर 8 स्पेशल ट्रेनें चला रहा, 28 से 31 अगस्त तक मिलेंगी सेवाएं।
- **बिहार :** 20 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट, 50 हजार से ज्यादा घर डूबे; उत्तराखंड में भूस्खलन, हिमाचल में 70 सड़कें बंद।
- **नई दिल्ली :** भारतीय सेना अमेरिकी जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल खरीदेगी सेकेंड्स में दुश्मन के टैंक तबाह होंगे दागते ही टारगेट को खुद ढूंढ लेगी।
- **कोलकाता :** ममता बोलीं- बीजेपी ने चुनाव 'हाईजैक' किया, वोट लूटने के लिए एसआईआर का इस्तेमाल, बंगाल में पुलिस के जरिए डर का माहौल बनाया जा रहा।

आगरा मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित भोपाल-इंदौर बायसपास पर बने ब्रिज पर हुआ बड़ा हादसा

चार लोगों की घटनास्थल पर मौत, करीब एक दर्जन यात्री घायल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ ब्यावरा

राजगढ़ जिले के ब्यावरा देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत भोपाल-इंदौर बायपास ब्रिज पर सुबह 7.30 बजे के करीब एक यात्री बस एनएल 01 बी 3436 लखनऊ से इंदौर की तरफ जा रही बस ब्यावरा देहात क्षेत्र के भोपाल इंदौर बायपास पर बने ओवर ब्रीज पर पहुंची, तेज गति व लापरवाही के कारण बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। बस दुर्घटना से बड़ा सड़क हादसा हो गया। दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई जिसमें रवि केवी पिता बसप्पा 45 निवासी बेंगलुरु कर्नाटक, विकास शुक्ला बस चालक, बेलाल अली पिता कलीमुल्लाह मियां 23 साल निवासी गोपालगंज बिहार, ज्योतिरादित्य सिंह पिता विक्रम सिंह गौड़ निवासी बिजवाड़ की मृत्यु हो गई, जबकि बस में सवार करीब एक दर्जन यात्री घायल हो गए।

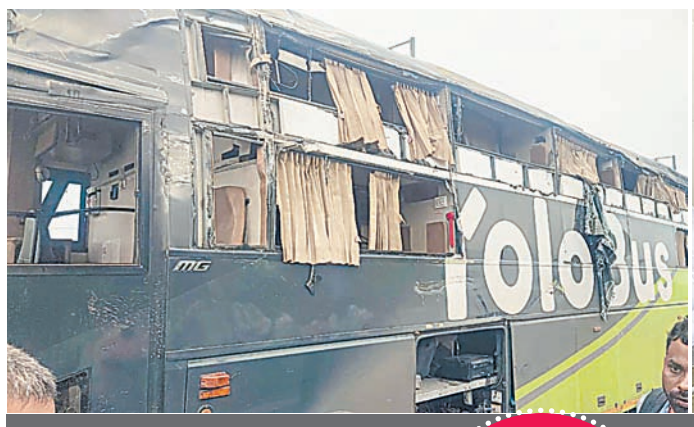

चार गंभीर घायलों को गहन उपचार हेतु रेफर किया गया। शेष यात्रियों का सिविल अस्पताल ब्यावरा में उपचार जारी है, मौके राज्यमंत्री नारायणसिंह पंवार, कलेक्टर डॉक्टर गिरीश कुमार मिश्रा, एसपी अमित तोलानी, एडिशनल एसपी, एसडीएम गोविंद कुमार दुबे, एसडीओपी सहित पुलिस अमला मौके पर पहुंच गया। बस में सवार बैंगलोर की साइबर टीम भी थी

चार गंभीर घायलों को गहन उपचार हेतु रेफर

जो लखनऊ से इंदौर जा रहे थे वहां से फ्लाइट के माध्यम से बैंगलोर पहुंचना था, इसी बीच ब्यावरा क्षेत्र में ब्रिज पर बस पलट गई। बेंगलुरु सायबर टीम में इंस्पेक्टर रवि केवी पिता बसप्पा 45 साल बैंगलोर की मौके पर ही मौत हो गई, सब इंस्पेक्टर रमेश नायक पिता पंडाब्बा 31 साल जो कि सुरक्षित है। एएसआई श्रीनिवास पिता वेंकटा गिरी 50 साल घायल, टेक्निकल स्टाफ विश्वनाथ पिता मोहन एम 34 साल घायल है। रेफर किये गए यात्रियो में सुरेंद्र प्रताप सिंह पिता भद्रसेन निवासी हुरुरी जौनपुर उत्तर प्रदेश, सुमन शर्मा पति रवि शर्मा निवासी कानपुर उत्तर प्रदेश, श्रीनिवास पिता वेंकटेश गिरी निवासी बैंगलोर, केशव पिता श्रीपाल निवासी मधुला अलीगढ़ को गंभीर हालत में रेफर किया गया। देहात थाना पुलिस में दुर्घटना का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नेपाल से सुरक्षित निकाले गए 21 तमिल तीर्थयात्री दिल्ली पहुंचे

तिब्बत में फिर झील फटी, गांव खाली कराए

बाढ़-भूस्खलन से अब तक 552 लोगों की मौत, 1500 से ज्यादा लोग लापता

एजेंसी ▸▸ काठमांडू

नेपाल में बाढ़ से सुरक्षित निकाले गए तमिलनाडु के 21 कैलाश मानसरोवर तीर्थयात्री शुक्रवार को काठमांडू से दिल्ली पहुंच गए। इन्हें नेपाली सेना ने बाढ़ प्रभावित इलाके से रेस्क्यू किया था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दिल्ली में उनसे मुलाकात कर उनकी आपबीती सुनी।

इधर, नेपाल-तिब्बत सीमा के पास एक और झील फटने के बाद नेपाल में भोटेकोशी, त्रिशूली और नारायणी नदी के किनारे बसे गांव खाली कराए जा रहे हैं। नेपाली सेना ने लोगों और सुरक्षाकर्मियों को नदी किनारे से हटकर सुरक्षित जगह जाने को कहा है। चीन ने तिब्बत में लेवल-4 अलर्ट जारी किया है और दोबारा बाढ़ के खतरे को देखते हुए राहत-बचाव अभियान रोक दिया है। नेपाल और तिब्बत में बाढ़-भूस्खलन से अब तक 552 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 1500 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं।

बाढ़ में फंसीं पूर्व केंद्रीय मंत्री की बहू

विदेश मंत्रालय के मुताबिक अब भी 320 भारतीय नागरिकों से संपर्क नहीं हो पाया है। इस बीच, पता चला है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री मुकुल रॉय की बहू, बंगाली एक्टर खराज मुखर्जी और उनकी पत्नी प्रतिभा मुखर्जी अभी नेपाल में फंसे हुए हैं। तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक शुभ्रांशु रॉय की पत्नी शर्मिष्ठा भौमिक रॉय 25 अगस्त की रात से अपने पति के संपर्क में नहीं हैं। वह उत्तर 24 परगना की रहने वाली हैं और 21 अगस्त को एक ट्रैवल एजेंसी के जरिए अकेले नेपाल गई थीं। बिजयपुर से टीएमसी के पूर्व विधायक शुभ्रांशु रॉय, मुकुल रॉय के बेटे हैं।

मलबे से 2 साल का बच्चा जिंदा निकला

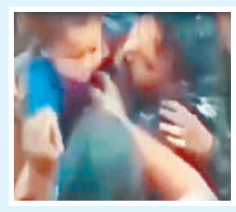

नेपाल की बाढ़ में अब तक 478 लोग मारे जा चुके हैं। इस बीच रेस्क्यू टीम ने मलबे से 2 साल का बच्चा जिंदा निकाला। अंदर दबे होने के कारण बच्चा रो रहा था। बच्चे के शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं है। फिलहाल उसे हॉस्पिटल भेज दिया गया है।

भारतीय पब्लिशर ने सोनिया की किताब छापने से मना किया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की संस्मरण किताब बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव को लेकर विवाद की खबरों के बीच पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने सफाई दी है। पेंगुइन ने कहा कि वह भारत में इस किताब को पब्लिश नहीं करेगी। यह कहना सही नहीं है कि लेखक के संपादकीय बदलावों से इनकार करने के बाद उसने किताब प्रकाशित करने से हाथ खींच लिया है। इससे पहले द इंडियन एक्सप्रेस ने रिपोर्ट दी थी कि पेंगुइन ने एक हिस्से में कुछ एडिटोरियल बदलाव और हिस्से हटाने की मांग की थी, लेकिन लेखकों ने इस मांग को ठुकरा दिया था।

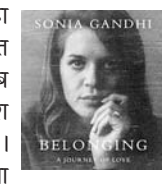

रक्षाबंधन पर मोदी को बच्चों ने बांधी राखी तो खिल उठा पीएम का चेहरा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

रक्षाबंधन का त्योहार देशभर में भाई बहन के प्यार और विश्वास के प्रतीक के रूप में मनाया। इस खास अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बच्चों के साथ कुछ यादगार पल बिताए। 28 अगस्त को प्रधानमंत्री ने लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर रक्षाबंधन समारोह की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा किए। तस्वीरों में बच्चों के चेहरे की खुशी और प्रधानमंत्री के साथ उनकी सहज मुलाकात साफ दिखाई देती है। लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास पर रक्षाबंधन समारोह के दौरान कई बच्चे पीएम मोदी से मिले। बच्चों ने प्रधानमंत्री की कलाई पर राखी बांधी। इस दौरान पीएम मोदी ने भी बच्चों के साथ सहज अंदाज में समय बिताया। तस्वीरों और वीडियो में बच्चों के उत्साह के साथ प्रधानमंत्री की मुस्कान भी नजर आई। रक्षाबंधन के इस आयोजन में बच्चों और पीएम के बीच अपनापन दिखाई दिया।

चंडीगढ़ में पंजाबी इन्फ्लुएंसर की किडनैप कर हत्या कर दी

गाड़ी में डालकर पंजाब लाए पेड़ से बांध आग लगाई

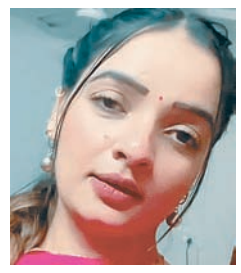

एजेंसी ▸▸ चंडीगढ़

चंडीगढ़ से लेडी पंजाबी इन्फ्लुएंसर को किडनैप कर उसकी हत्या कर दी गई। 2 युवकों ने उसे मिलने के बहाने बुलाया और जबरन गाड़ी में डालकर मोरिंड की तरफ ले गए। जहां रास्ते में पहले उन्होंने पंजाबी इन्फ्लुएंसर मनजीत कौर की पिटाई की। फिर उसे शहतूत के पेड़ पर बांधकर जला दिया। किसी जानकार ने कंबल से आग बुझाकर मनजीत को मोरिंडा के अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उसे पहले मोहाली और फिर चंडीगढ़ में भर्ती कराया गया। जहां करीब 2 महीने तक वह बेहोश पड़ी रही। होश आने पर उसने परिवार को पूरी कहानी बताई। हालांकि दावा किया जा रहा है कि तब खरड़ पुलिस ने उसके बयान नहीं लिए। इसके बाद 26 अगस्त को उसने दम तोड़ दिया। जिसके बाद चंडीगढ़ पुलिस ने मृतका की मां के बयान पर किडनैपिंग और हत्या का केस दर्ज कर उसे ले जाने वाले आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

दिल्ली में मॉडल की हत्या के आरोपी का एनकाउंटर

पुलिस ने पैर में 3 गोलियां मारकर किया गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली में 21 साल की मॉडल मुस्कान की हत्या का आरोपी जिम ट्रेनर आकिब उर्फ इमरान पुलिस एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। गुरुवार रात वेस्टर्न डिस्ट्रिक्ट स्पेशल स्टाफ की टीम ने उसे घेरा तो इमरान ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के मुताबिक, 26 साल का इमरान बुधवार शाम मुस्कान के घर पहुंचा था। उस वक्त 21 साल की मुस्कान घर में अकेली थी। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद इमरान ने चाकू से मुस्कान पर कई वार किए और फरार हो गया। गंभीर हालत में मुस्कान को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था।

एथलीट और साइक्लिस्ट विनोद पांडेय की अपील—मोबाइल और स्क्रीन से दूर रहें

स्पोर्ट्स डे पर मैदान में उतरेगा फिटनेस का जुनून

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मोबाइल, कंप्यूटर और लगातार बढ़ता स्क्रीन टाइम लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन गया है। ऐसे समय में खेल और शारीरिक गतिविधियों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संदेश लेकर भोपाल के एथलीट, साइक्लिस्ट और फिटनेस एक्टिविस्ट विनोद पांडेय ने इस स्पोर्ट्स डे पर लोगों से खास अपील की है। उनका संदेश है- एक घंटा खेल के मैदान में।

विनोद पांडेय का कहना है कि खेल को केवल एक दिन मनाए जाने वाले आयोजन तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इसे रोजमर्रा की जिंदगी की आदत बनाना जरूरी है। उनके लिए खेल केवल शौक नहीं, बल्कि स्वस्थ और सकारात्मक जीवन जीने का तरीका है। एक एथलीट के रूप में दौड़ना और साइक्लिस्ट के रूप में हजारों किमी साइकिल चलाना उनके जीवन का हिस्सा रहा है। खेल इंसान को सिर्फ जीतना नहीं सिखाता, बल्कि हार को स्वीकार करना, गिरने के बाद दोबारा उठना और लगातार प्रयास करते रहना भी सिखाता है। मैदान व्यक्ति के भीतर अनुशासन, आत्मविश्वास और संघर्ष की भावना पैदा करता है।

दिल्ली के कपल पर पाकिस्तान के लिए जासूसी करने का आरोप

दुबई के रास्ते 8 भारतीय सिम भेजे

पाकिस्तानी हैंडलर से 2 साल से संपर्क में थे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े जासूसी नेटवर्क का खुलासा किया है। पुलिस ने जासूसी के आरोप में दिल्ली के कपल साहिल (25) और उसकी पत्नी समीरा (21) को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक, दोनों 2024 से पाकिस्तान में बैठे खुफिया अधिकारियों के संपर्क में थे। वे भारत से जुड़ी संवेदनशील जानकारी जुटाने, 8 भारतीय सिम कार्ड पाकिस्तान भेजने और दूसरे लोगों को जासूसी के लिए तैयार करने में मदद कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि जांच में इस नेटवर्क के तार दिल्ली से कराची और इस्लामाबाद तक जुड़े मिले हैं। पाकिस्तान में बैठे हैंडलर दोनों को पैसे भी भेजते थे।

सैन्य इलाकों की जानकारी जुटाने का आरोप

पुलिस का आरोप है कि साहिल को भारत के अलग-अलग हिस्सों में कैंटोनमेंट इलाकों की रेकी करने का काम दिया गया था। उसे जासूसी और फील्ड ऑपरेशन के लिए लोगों को भर्ती करने की जिम्मेदारी भी दी गई थी। जांच में सामने आया कि साहिल ने ट्रिब्यूनल के सामने कोर्ट मार्शल की कार्रवाई का सामना कर रहे सेना के जवानों से जुड़ी जानकारी भी कथित तौर पर उपलब्ध कराई थी।

भारतीय वॉट्सऐप ग्रुप में भी दाखिल होने की कोशिश

पुलिस के मुताबिक, साहिल और समीरा ने 2024 से 2025 के बीच 8 भारतीय सिम कार्ड हासिल किए। इन सिम कार्ड को दुबई के रास्ते पाकिस्तान भेजा गया। हैंडलर ने इसके लिए दंपती को 30 हजार रुपए दिए थे। पुलिस ने बताया कि इन नंबरों से पाकिस्तान में वॉट्सऐप अकाउंट एक्टिवेट किए गए। पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों ने इन अकाउंट के जरिए भारत में लोगों से संपर्क किया और संवेदनशील जानकारी जुटाने की कोशिश की। इनमें से कुछ अकाउंट के जरिए भारतीय वॉट्सऐप ग्रुप में भी दाखिल होने की कोशिश की गई। पुलिस के अनुसार, पाकिस्तान में बैठे हैंडलर सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म के जरिए भारत में लोगों से संपर्क कर रहे थे।

महाकाल श्रृंगार

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का गुरुवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

खुसूर-फुसूर

ये कैसी श्रद्धा-आस्था!

विश्व प्रसिद्ध मंदिर में प्रति दिन लाखों श्रद्धालु अपने देवाधिदेव के दर्शन करने आ रहे हैं। इनमें से कई तो सैंकड़ों नहीं हजारों किलोमीटर दूर से यात्रा का कष्ट उठाकर यहां पहुंच रहे हैं और क्षण भर के दर्शन के लिए घंटों लाईन में लग रहे हैं फिर भी उफ्फ नहीं कर रहे हैं। बुजुर्गवार आ रहे हैं और पूरी श्रद्धा-आस्था जता रहे हैं दर्शन कर रहे हैं और अपने को धन्य पा रहे हैं। भगवान को जल अर्पण करने के लिए भी सैंकड़ों किलोमीटर दूर से आस्थावान जल ला रहे हैं। कुछ क्षणों में अपना जल बैरिकेड्स के पीछे से पनीहार में चढ़ाते हुए आगे बढ़ रहे हैं। सभी के मन में भगवान को अच्छे से निहारने की अभिलाषा रहती है लेकिन भगवान आशुतोष के सामने जिसे जो मिल गया वही धन्य हो जाता है। प्रति दिन लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं का आना और भगवान के दर्शन की व्यवस्था नियमों के पालन के साथ चलती है। मंदिर प्रबंध समिति के नियमों के पालन के साथ ही बनाई गई व्यवस्था पर ही लाखों श्रद्धालु भगवान के प्रति दिन दर्शन कर पाते हैं अन्यथा हजारों में ही आफत की स्थिति पैदा होना लाजिमी है। आने वाले सभी श्रद्धालु भगवान के प्रति मन में अगाध आस्था और श्रद्धा के साथ विश्वास लेकर यहां आ रहे हैं। दिन प्रति दिन यह संख्या बढ़ती ही जा रही है। ऐसे में आकस्मिक रूप से आए कुछ सैंकड़ा लोगों ने मंदिर के उस स्थल पर उपद्रव की स्थिति अपने आप को श्रद्धावान और आस्थावान साबित करते हुए बनाई जिन्हें खुद व्यवस्था का अंग बनना चाहिए था और नियमों के पालन के लिए सभी को प्रेरित करना चाहिए था। बाबा के समक्ष वीआईपी मानसिकता से ग्रस्त होकर जाने के लिए शीघ्र दर्शन गेट से बगैर अधिकार प्रवेश लिया गया और उसके बाद भी निर्धारित व्यवस्था का पालन न करते हुए मनमानी का स्वरूप पैदा किया गया। यहां तक की बैरिकेड्स तोड़े गए। दानी पेटी को गिराया गया। व्यवस्था में लगे सुरक्षाकर्मियों से मारपीट की गई। कदापि इस आचरण को श्रद्धा-आस्था और विश्वास के दायरे में तो नहीं देखा जा सकता है। भगवान के दर पर जाने वाले नम्रता,धैर्य और अहंकार को बाहर छोड़कर आते हैं। नंदी गृह और गर्भगृह में प्रवेश लेकर वीआईपी का तमगा हासिल करने का अहंकार धारण कर आने के कारण ही यह सब उजागर हो गया। खुसूर-फुसूर है कि पूरे श्रावण मास में करीब एक करोड के लगभग श्रद्धालुओं का आगमन हुआ इनमें बड़ी संख्या में जल लेकर आए कावड़ यात्री भी शामिल रहे हैं। कुछ ने भगवान के मोह में जिद की लेकिन किसी ने भी ऐसा नहीं किया जो बुधवार को अहंकार में आए लोगों ने किया। अगर कोई समस्या / शिकायत व्यवस्था से थी तो घटनास्थल पर ही मंदिर के प्रशासकीय अधिकारी मौजूद थे उनसे उसे लेकर चर्चा की जा सकती थी। अपनी शिकायत प्रशासकीय कार्यालय में दर्ज करवाई जा सकती थी जिस तरह का आचरण मंदिर में पेश किया गया है उससे तो इनकी धार्मिक संस्कारों पर ही सवाल खड़ा हो गया है। इनकी श्रद्धा-आस्था और विश्वास पर ही प्रश्न चिन्ह खड़ा हो गया है। भगवान को जल चढ़ाने आए थे और अब अहंकार में जेल जाने की तैयारी हो गई है। इसी लिए कहा गया है कि जाकि रही भावना जैसी ताकि सन्मति होई वैसी।

नैनो न्यूज

- **प्रधानमंत्री** के 'खेलो इंडिया संवाद' से जुड़े विक्रम विवि परिक्षेत्र के 14 संस्थानों के युवा, राष्ट्रीय खेल दिवस पर 7 जिलों में हुआ सीधा प्रसारण, माधव विज्ञान कॉलेज में उत्कृष्ट खिलाड़ियों का हुआ सम्मान
- **सेवादल** ने रीवा के बाढ़ पीड़ितों तक पहुंचाई राहत सामग्री, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी के निर्देश पर घर-घर बंट रहा सूखा राशन, बच्चों को दी गई स्टेशनरी
- **मध्य प्रदेश** राज्य आउटसोर्स कर्मचारी संघ के प्रदेश मंत्री गुलशन मंसूरी ने प्रदेश अध्यक्ष आशीष सिंह सिसौदिया की सहमति से उज्जैन जिले का अध्यक्ष सुरेश बमनावत (कृषि उपज मंडी कर्मचारी) को बनाया है।
- **राष्ट्रीय अध्यक्ष** का दायित्व मिलने पर महंत मायादेवी ने जताया शीर्ष नेतृत्व का आभार, सद्गुरु कबीर साहेब के विचारों से राष्ट्र सेवा और संगठन को सशक्त बनाने का लिया संकल्प
- **हर व्यक्ति** का विशेष महत्व, यही है पुष्पिका सूत्र का महत्व-धर्मसभा में प्रवचन, जिस प्रकार बगीचे में खिले अनेक पुष्प अपनी अलग पहचान और सुगंध रखते हैं, उसी प्रकार इस वर्ग में वर्णित प्रत्येक प्रसंग अपनी विशिष्टता लिए हुए है।
- **वरिष्ठ नागरिकों** को भारतीय रेल द्वारा पूर्व में प्रदान की जा रही यात्रा रियायतों एवं अन्य सुविधाओं को पुनः बहाल करने की मांग प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन, जिला उज्जैन ने माननीय प्रधानमंत्री श्रीमान नरेंद्र मोदी एवं अश्विन वैष्णव रेल मंत्री से की है।

ट्रेंडिंग

शिप्रा के घाट पर लगने वाले पत्थरों की होगी वैज्ञानिक जांच

जल संसाधन प्रमुख सचिव ने देखे घाट, कान्ह क्लोज डक्ट और सेवरखेड़ी बैराज निर्माण के काम

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

जल संसाधन विभाग के प्रमुख सचिव एवं उज्जैन के पूर्व संभागायुक्त संदीप यादव ने गुरूवार को सिंहस्थ महापर्व-2028 की तैयारियों के अंतर्गत किए जा रहे घाट निर्माण, कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना एवं निर्माण एवं सेवरखेड़ी बैराज निर्माण के कार्यों को देखा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को शिप्रा नदी पर नवीन घाट निर्माण में पत्थरों का वैज्ञानिक आंकलन कर रिपोर्ट तैयार करें।

प्रमुख सचिव यादव ने नवीन घाट निर्माण के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा विद्युत वायरिंग को अंडरग्राउंड करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि करीब 10 किलोमीटर क्षेत्र में घाट निर्माण के साथ पत्थर लगाए जाने की प्रस्तावित योजना है। इस पर प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए कि घाट पर उपयोग किए जाने वाले पत्थरों की वैज्ञानिक स्थिति एवं उपयुक्तता का आंकलन कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाए तथा उसी आधार पर कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं होना चाहिए। सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं।

शनि मंदिर के पास घाट देखे, टनल में उतरे

वरिष्ठ अधिकारियों ने सबसे पहले त्रिवेणी श्री नवग्रह शनि मंदिर के समीप शिप्रा नदी पर किए जा रहे नवीन घाट निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। मेला अधिकारी एवं संभागायुक्त आशीष सिंह ने घाट निर्माण की कार्ययोजना एवं प्रगति की जानकारी दी। इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने ग्राम जवासिया में सिंहस्थ महापर्व के लिए महत्वपूर्ण कान्ह डायवर्शन क्लोज डक्ट परियोजना का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने करीब 100 फीट नीचे टनल में जाकर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। मौके पर जानकारी दी गई कि परियोजना के अंतर्गत 18.15 किलोमीटर कट-कवर तथा 12 किलोमीटर टनल का निर्माण किया जा रहा है। परियोजना पूर्ण होने पर कान्ह नदी के माध्यम से शिप्रा में मिलने वाले दूषित जल को रोका जा सकेगा, जिससे शिप्रा नदी को प्रदूषण से मुक्त रखने में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी। प्रमुख सचिव ने कहा कि सिंहस्थ महापर्व की दृष्टि से यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए शिप्रा को स्वच्छ एवं निर्मल बनाए रखने के लिए परियोजना का कार्य सिंहस्थ से पहले पूर्ण किया जाए।

बैराज निर्माण का काम 90 प्रतिशत पूर्ण

उन्होंने ग्राम सेवरखेड़ी में निर्माणाधीन बैराज का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि बैराज निर्माण का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। परियोजना के अंतर्गत ग्राम सेवरखेड़ी में 1.45 मिलियन घन मीटर क्षमता का बैराज बनाया जा रहा है। यहां से 3 मीटर व्यास की 6.50 किलोमीटर लंबी पाइप लाइन के माध्यम से शिप्रा नदी का जल सिलारखेड़ी जलाशय में संचित किया जाएगा। आवश्यकता के अनुसार संचित जल को पुनः शिप्रा नदी में प्रवाहित कर नदी को निरंतर प्रवाहमान बनाया जाएगा। प्रमुख सचिव श्री यादव ने वर्षा काल में बैराज के गेट लगाकर वर्षा जल को रोकने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने बैराज के समीप निर्माणाधीन पंप हाउस का भी निरीक्षण किया। मौके पर इंजीनियर ने बताया कि पंप हाउस में 4 पंप एवं एक स्टैंडबाय पंप का निर्माण किया जा रहा है।

सिंहस्थ क्षेत्र में अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

नरसिंह घाट मार्ग के अवैध निर्माण को ढहाया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

गुरुवार को नगर निगम ने नरसिंह घाट मार्ग स्थित सिंहस्थ क्षेत्र में बड़ी कार्यवाही करते हुए बिना अनुमति किए गए अवैध निर्माण को जेसीबी की सहायता से ढहा दिया गया। यहां भील ठाकुर समाज धर्मशाला द्वारा बिना सक्षम अनुमति के लगभग 40 बाय 80 फीट क्षेत्रफल में अवैध निर्माण किया गया था। नगर निगम द्वारा स्थल का निरीक्षण एवं आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करने के उपरांत दो जेसीबी मशीनों की सहायता से उक्त अवैध निर्माण को हटाने की कार्यवाही की गई।

नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा द्वारा स्पष्ट किया गया है कि सिंहस्थ क्षेत्र की भूमि सिंहस्थ महापर्व की व्यवस्थाओं एवं आयोजन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र में बिना अनुमति किसी भी प्रकार का स्थायी अथवा अस्थायी निर्माण, अतिक्रमण या भूमि का अनधिकृत उपयोग स्वीकार नहीं किया जाएगा। उक्त कार्यवाही भवन अधिकारी राजकुमार राठौर, तहसीलदार शेफाली जैन, भवन निरीक्षक सौम्या चतुर्वेदी, निगम रिमूवल गैंग एवं पुलिस प्रशासन की उपस्थिति में की गई।

अतिक्रमण पर सख्ती

सिंहस्थ महापर्व में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने की संभावना को देखते हुए मार्ग, घाट, पार्किंग, यातायात एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए सिंहस्थ क्षेत्र की भूमि का सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित रहना आवश्यक है। ऐसे में किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण अथवा अतिक्रमण भविष्य की व्यवस्थाओं में बाधक बन सकता है। नगर निगम द्वारा इसी उद्देश्य से सिंहस्थ क्षेत्र में किए जा रहे अनधिकृत निर्माण एवं अतिक्रमणों को चिन्हित कर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

निगम को सौंपा कचरा संग्रहण वाहन

गुरुवार को कोटक महिंद्रा द्वारा सीएसआर गतिविधि के अंतर्गत नगर निगम को 01 डोर-टू-डोर वाहन उपलब्ध कराया गया। कंपनी के सदस्यों द्वारा वाहन की चाबी नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा को सौंपी गई। इस वाहन के निगम के बेड़े में शामिल होने से शहर में घर-घर से कचरा संग्रहण व्यवस्था को और गति मिलेगी तथा स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने में सहयोग प्राप्त होगा।

महाकाल को सबसे पहले बांधी जाएगी 2 फीट की राखी

पुजारी परिवार की महिलाएं सावनभर व्रत रखकर बना रहीं राखी, भस्म आरती में करेंगी अर्पित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

रक्षाबंधन पर सबसे पहले राखी भगवान महाकाल को बांधने की परंपरा है। इसके लिए पुजारी परिवार की महिलाएं करीब एक सप्ताह से विशेष राखी तैयार कर रही हैं। इस बार बाबा महाकाल के लिए 2 फीट की राखी बनाई गई है। महिलाएं पूरे सावन माह में व्रत-उपवास रखकर इस राखी का निर्माण करती हैं।

28 अगस्त को तड़के भस्म आरती के दौरान पुजारी परिवार की महिलाएं भगवान महाकाल को राखी बांधेंगी। इसके लिए मंदिर के पुजारी ओम गुरु और राजेश शर्मा के परिवार की महिलाएं कई दिनों से तैयारी में जुटी हैं। भस्म अर्पित होने के बाद यह राखी बाबा महाकाल को समर्पित की जाएगी।

पुजारी आकाश गुरु ने बताया कि राखी को रेशमी कपड़े, रेशमी धागे और आभूषणों से तैयार किया गया है। इसमें भगवान श्रीकृष्ण के प्रिय मोर पंख और गौ माता को भी स्थान दिया गया है। इसे आकर्षक बनाने के लिए कांच वर्क, रुद्राक्ष और मोर पंख लगाए गए हैं। राखी में बाबा महाकाल के प्रिय त्रिनेत्र, ॐ और त्रिपुंड को भी शामिल किया गया है। इसे तैयार करते समय महिलाएं लगातार जय महाकाल और ॐ नमः शिवाय का जाप कर रही हैं। महाकाल को राखी बांधने के लिए पुजारी परिवार की महिलाएं रात करीब 2 बजे मंदिर पहुंचेंगी।

रेलयात्रा में वरिष्ठ नागरिकों को मिले रियायत : पीपीए

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

वरिष्ठ नागरिकों को भारतीय रेल द्वारा पूर्व में प्रदान की जा रही यात्रा-रियायतों एवं अन्य सुविधाओं को पुनः बहाल करने की मांग प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन जिला उज्जैन ने (पत्र लिखकर) प्रधानमंत्री एवं रेलमंत्री से की है। पीपीए के जिलाध्यक्ष अशोक दुबे ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों को रेलयात्रा में मिलने वाली रियायत उनके लिए केवल आर्थिक सहायता ही नहीं, बल्कि सम्मान और सामाजिक सुरक्षा की प्रतीक थी। कोविड-19 के समय वरिष्ठ नागरिकों को रेल किराए में दी जाने वाली रियायत अस्थायी रूप से बंद की गई थी मीडिया प्रभारी डॉ. स्वामीनाथ पाण्डेय ने बताया कि इस संबंध में प्रधानमंत्री एवं रेल मंत्री को पत्र भेज दिए गए है।

श्रावण माह की अंतिम सोमवार पर हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण की प्रसादी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

श्री महाकालेश्वर दर्शनार्थी सेवा फाउंडेशन द्वारा श्रावन माह के अंतिम सोमवार पर महाकाल के भक्तों के लिए सजा महाप्रसादी का भंडारा शांति पैलेस चौराहा पर हजारो श्रद्धालुओं ने ग्रहण की प्रसादी।

श्री महाकालेश्वर दर्शनार्थी सेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष संतोष चौहान ने बताया कि श्रावन के अंतिम सोमवार पर महाकाल भक्तों के लिए फाउंडेशन द्वारा महाप्रसादी का आयोजन प्रतिवर्ष श्रावन माह के अंतिम सोमवार पर किया जाता है। यह आयोजन वरिष्ठ समाजसेवी नारायण यादव (दादा) एवं समाजसेवी अभय यादव के मार्गदर्शन एवं शुभ करकमलो द्वारा किया गया। नारायण यादव (दादा) ने बताया कि यह आयोजन भक्ति, सेवा, और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन के लिए शहर में उमड़े हजारों श्रद्धालुओं के लिए श्री महाकालेश्वर दर्शनार्थी सेवा फाउंडेशन द्वारा शांति पैलेस चौराहा पर महाप्रसादी वितरण का आयोजन संतोष चौहान एवं फाउंडेशन के पदाधिकारी द्वारा किया गया। महाकाल की सवारी में पधारे हजारों श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण की इस अवसर पर फाउंडेशन की डायरेक्टर शोभा चौहान, दिलीप मालवीय, जमुना यादव, दीपक जायसवाल, अरविंद चौहान, सुधा मालवीय, ज्योति मालवीय, मदनलाल राठौड़, मानस परमार, अशोक मालवीय आदि ने सेवा दी।

भाई-बहन के प्रेम को समर्पित यह पर्व कई शुभ संयोगों के बीच रहेगा, राखी बांधने का शुभ मुहूर्त दिनभर रहेगा

देशभर में आज बहनें बांधेंगी भाईयों की कलाई पर राखी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

28 अगस्त 2026 को देशभर में रक्षाबंधन का पावन त्योहार मनाया जा रहा है। भाई-बहन के प्रेम को समर्पित यह पर्व कई शुभ संयोगों के बीच रहेगा। लेकिन इसी दिन साल का आखिरी चंद्र ग्रहण भी लगने जा रहा है। हिंदू धर्म में ग्रहण को अशुभ काल माना जाता है। इस अवधि में राखी बांधने से लेकर पूजा-पाठ करने तक के शुभ कार्यों को करने से बचने की मान्यता है। ऐसे में रक्षाबंधन पर लगने जा रहे इस ग्रहण को लेकर यह जानना जरूरी हो गया है कि क्या इस चंद्र ग्रहण का असर भारत में पड़ेगा, क्या ग्रहण के कारण राखी बांधने के समय में कोई बदलाव करना होगा, आइए, इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

क्या रक्षाबंधन पर पड़ेगा ग्रहण का असर ?

इस साल 28 अगस्त 2026, शुक्रवार को रक्षाबंधन मनाया जा रहा है। इस दिन चंद्र ग्रहण सुबह 6 बजकर 53 मिनट से शुरू होगा। ग्रहण का समापन दोपहर 12 बजकर 31 मिनट पर होगा। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि, साल का यह आखिरी चंद्र ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। इसलिए किसी भी तरह के नियम और सूतक दोनों ही मान्य नहीं होंगे। देशभर में बिना किसी बाधा के रक्षाबंधन का त्योहार सामान्य तरीके से मनाया जा सकेगा।

राहुकाल का समय

रक्षाबंधन के दिन राहुकाल सुबह 10 बजकर 31 मिनट से दोपहर 12 बजकर 07 मिनट तक रहेगा। ऐसे में आप सुबह 10:31 से पहले भाई को राखी बांध सकती हैं।

तीन खास मुहूर्त

- 28 अगस्त को राखी बांधने का शुभ समय सुबह 5 बजकर 57 मिनट से 9 बजकर 48 मिनट तक रहेगा।
- दूसरा-सुबह 7 बजकर 33 मिनट से 9 बजकर 10 मिनट तक।
- तीसरासुबह 9 बजकर 10 मिनट से 10 बजकर 46 मिनट तक।

रक्षासूत्र में बंध जाएं

रक्षाबंधन केवल सामाजिक अनुपालन नहीं है, इसमें गुरु–शिष्य और परमेश्वर–भक्त के बीच के प्रेम एवं श्रद्धा का भी समावेश है। अज्ञान के रोग और मन के बंधनों से मुक्ति केवल गुरु ही दिला सकते हैं। इसलिए गुरु को राखी, रक्षा सूत्र बांधना अत्यंत महत्वपूर्ण है। जैसे भक्त अपने आराध्य को प्रेम के सूत्र से बांधकर प्रार्थना करता है, प्रभु, आप ही मेरे रक्षक हो, आप ही मेरी रक्षा करो। उसी प्रकार, शिष्य भी अपने गुरु को राखी बांधकर निवेदन करता है, गुरुदेव! मेरे मन के क्लेशों और अज्ञान से मुक्ति आपके पास है। ऐतिहासिक दृष्टि से देखें, तो रक्षाबंधन का त्योहार द्रौपदी और श्रीकृष्ण की कथा से गहरे जुड़ा है। शिशुपाल वध के समय जब श्रीकृष्ण की अंगुली से रक्त बहने लगा, तब द्रौपदी ने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर श्रीकृष्ण की अंगुली पर बांध दिया। श्रीकृष्ण ने बदले में उन्हें वचन दिया कि जीवन में जब कभी भी वह पुकारेंगी, वह उनकी रक्षा के लिए अवश्य आएंगे। तब से राखी प्रेम और रक्षा का पवित्र बंधन बन गया। जाहिर है, हर भाई श्रीकृष्ण जैसा और हर बहन द्रौपदी जैसी नहीं हो सकती, परंतु इस पर्व का सार प्रेम है। जब बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधे, तो उसे केवल भाई के रूप में नहीं, बल्कि ईश्वर के अंश के रूप में देखे। इससे न केवल श्रद्धा और प्रेम बढ़ते हैं, बल्कि भाई को भी अपनी जिम्मेदारी का एहसास होता है। यदि घर में भाई न हो, तो बहन अपनी बहन को भी राखी बांध सकती है। रक्षा सूत्र की असली शक्ति भाव और आशीर्वाद में है। असली रक्षक, असली समर्थक वही प्रभु हैं, जो हमारे भीतर ही विराजमान हैं।

बहन भाई की कलाई पर जो धागा बांधती है, उसमें उसका विश्वास और आशीर्वाद जुड़ा होता है। यह संबंध किसी पर आश्रित होने का नहीं, बल्कि एक–दूसरे की शक्ति बनने का है। कुछ लोग मानते हैं कि राखी इसलिए बांधी जाती है, क्योंकि स्त्रियां कमजोर होती हैं और उन्हें सुरक्षा की आवश्यकता है। यह सोच स्त्रियों के सम्मान के विपरीत है। राखी दासता का प्रतीक नहीं, बल्कि प्रेम और जिम्मेदारी का उत्सव है। आधुनिक दृष्टि से देखें, तो यह संतान के आपसी प्रेम–भाव का दिन है–चाहे भाई–बहन हों, बहन–बहन या भाई–भाई। यही आपसी स्नेह परिवार को पूर्णता देता है।

आधुनिक समय में, जब केवल एक संतान पैदा करने की सोच बढ़ रही है, तब आप स्वयं सोचिए कि वह बच्चा किसके समक्ष अपनी भावनाएं व्यक्त करेगा। यही कारण है कि ऐसे संस्कार खोते जा रहे हैं। इसलिए भाई–बहन का रक्षाबंधन केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक मूल्य भी गढ़ता है। परिवार जितना समृद्ध होगा, ये मूल्य उतनी ही गहरे से स्थापित होंगे।

सम्पादकीय

त्राहिमाम

नेपाल की भोटे कोशी और त्रिशूली नदियों में अचानक आई विनाशकारी बाढ़ के चलते जान गंवाने वालों की संख्या का बढ़ते जाना बहुत दुखद और चिंताजनक है। त्रासदी इतनी व्यापक है कि क्षति के बारे में अनुमान लगाना आसान नहीं है। आशंका है, जान गंवाने वालों की संख्या चार अंकों में होगी। चीन को ही अभी अंदाजा नहीं है कि जान–माल की कितनी हानि हुई है, तो नेपाल के बारे में क्या कहा जाए? दुख की इस घड़ी में भारत हर तरह की मदद लिए नेपाल के साथ खड़ा है। सहायता सामग्री भेजने का क्रम लगातार जारी है। अमेरिका और दुनिया के अन्य देश भी मदद के लिए आगे आ रहे हैं, मगर स्थानीय स्तर पर मदद पहुंचाना बड़ी चुनौती है। सड़कें गायब हो गई हैं, पुल बह गए हैं। यह समय है, जब नेपाल को ज्यादा से ज्यादा वैश्विक मदद मिले, ताकि उसके प्रभावित इलाकों को फिर से व्यवस्थित किया जा सके। फिलहाल नेपाल की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। विदेश से आने वाले धन, कम घरेलू उत्पादन और कम पूंजीगत व्यय के चलते उसकी अर्थव्यवस्था चुनौतियों से गुजर रही है।

आखिर यह आपदा क्यों घटित हुई? इसके बारे में अभी भी अलग–अलग राय हैं। अमेरिकी वैज्ञानिकों का मानना है, ग्लेशियर के ढहने से भूकंपीय गतिविधि शुरू हुई। नेपाल के विदेश मंत्री का भी यही मानना है। गौर करने की बात है कि नेपाल में जिस तरह से चीन को जिम्मेदार माना जा रहा है, यह चीन को अच्छा नहीं लगा है। वैसे, चीन को अभी राहत और बचाव पर पूरा ध्यान देना चाहिए। चीन की मानें, तो 558 से ज्यादा उसके नागरिक भी इस हादसे में बह गए हैं। चीन की प्राथमिकता अपने लोगों को बचाने की होगी और वह आगे के लिए ज्यादा सतर्क दिख रहा है। उसे यह अच्छे से पता है कि तिब्बत में ऐसे अनेक स्थान हैं, जहां अगर हादसा हो, तो नेपाल को त्रासदी झेलनी पड़ेगी। चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने आपदा स्थल के उत्तर–पूर्व में चोचेन खोला और पुरेपु त्सांगपो नदियों के संगम पर स्थित झील की निगरानी बढ़ा दी है। 20 लाख घन मीटर जल भंडार वाली यह चीनी बैरियर झील पहले ही उफान पर है। अगले तीन दिन में इसमें 30 लाख घन मीटर पानी और आने की आशंका है। अगर यह पानी आया, तो निचले हिस्से में शुरू हुए बचाव कार्य बाधित हो जाएंगे, तब नेपाल के लिए यह और भी बड़ी त्रासदी हो जाएगी। ऐसे किसी भी अगले हादसे को रोकने के लिए चीन को अपने स्तर पर हरसंभव प्रयास करने चाहिए।

संदर्भ: नेपाल में बाढ़ से तबाही

तिब्बत के सैलाब से नेपाल में जल प्रलय

भारतीय दर्शन के अनुसार मानव सभ्यता का विकास हिमालय और उसकी नदी-घाटियों से माना जाता है। ऋषि-कश्यप और उनकी दिति-अदिति नाम की पत्नियों से मनुष्य की उत्पत्ति हुई। फिर देव, असुर और मानव के विकासक्रम का सिलसिला शुरू हुआ। सिंधु और सारस्वत सभ्यता के विकास क्रम की शुरूआत हुई। इस विकसित क्षेत्र को आर्यावर्त कहा जाता था, जो आयार्ना से लेकर नेपाल और सप्त सिंधु क्षेत्र तक फैला था।

प्रमोद भार्गव
(दैनिक अवन्तिका)

मोहनजोदड़ों और हड़प्पा जैसे विकसित नगर सिंधु व रावी नदियों के तट पर थे। इन्हीं नदियों से बढ़ती आबादी को शुद्ध और पौष्टिक पानी दिया गया और हिमालय में बांध बनाए गए। आरंभ में यह विकास धीमा था और विकास को आगे बढ़ाने के लिए हिमालय में कोई भू-गर्भीय खुदाई नहीं की गई थी। किंतु आगे चलकर भोग और उपभोक्तावादी संस्कृति को विकास का पैमाना मान लिया गया। नतीजतन सरस्वती और दृश्द्वती नदी क्षेत्र में बर्फ के बड़े-बड़े शिलाखंड गिरने से बाढ़ ने समूचे ब्रह्मावर्त और आर्यावर्त में प्रलय ला दिया। इतने बड़े रूप में सृश्टि के विनाश की यह बड़ी घटना थी, जिसका उल्लेख सभी धर्मों के ग्रंथों में मिलता है। नेपाल की तबाही को ऐसी ही प्रलय का कारण माना जा रहा है। क्योंकि इस प्रलय का कारण केवल बारिश नहीं है।

नेपाल की इस त्रासदी के मूल में एक के बाद एक तीन मिनट के अंतराल से घटी दो घटनाएं हैं। हिमालय के तिब्बत क्षेत्र में सुबह 8:37 बजे 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। नेपाल और चीन की सीमा पर हिमखंड का बड़ा हिस्सा टूट गया। इसके मलबे ने ल्हेंदे नदी के जल प्रवाह का मार्ग रोक दिया। अतएव जल के भंडारण से एक अस्थायी झील का निर्माण हो गया। पानी के भारी दबाव के चलते झील फूट गई। इसके फूटते ही पानी बर्फ की शिलाएं और मलबे का तेज सैलाब नीचे आया। करीब 8:40 बजे भोटेकोशी और त्रिशूली नदी में बाढ़ आ गई। इससे रसुवा और नुवाकोट के एक दर्जन से ज्यादा इलाके प्रभावित हुए। इतनी ही जल विद्युत परियोजनाएं नष्ट हो गई। 170 लोग मरने की खबर हैं और करीब 1000 लोग लापता हैं। कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर निकले भारतीय यात्री संकट में हैं। इनमें से 59 यात्रियों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। 391 विदेशी और 93 नेपाली नागरिक भी प्रभावित हैं। इन्हीं में 133 भारतीय नागरिक हैं। इस त्रासदी को 2013 में उत्तराखंड के केदारनाथ घाटी में आए जल प्रलय का पर्याय माना जा रहा है।

दरअसल वर्तमान में समूचा हिमालयी क्षेत्र आधुनिक विकास और जलवायु परिवर्तन के खतरों से दो-चार हो रहा है। मौसम और प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी देने वाले उपग्रह चाहे जितने आधुनिक तकनीक से जुड़े हों, वे अनियमित हो चुके मौसम के चलते बादलों के फटने, हिमखंडों के टूटने और भारी बारिश होने की क्षेत्रवार जानकारी देने में अब तक असमर्थ ही रहे हैं। इसीलिए 2013 में केदारनाथ प्रलय, 2014 में दुनिया का स्वर्ग माने जाने वाले जम्मू-कश्मीर राज्य की नदियों की बाढ़ से नरक में बदल जाने के संकेत नहीं मिल पाए थे। वर्शा की तीव्रता ऐसी मुसीबत बनी थी कि देखते-देखते स्वर्ग की धरती पर इठलाती-बलखाती नदियां झेलम, चिनाब और तवी ने अपनी प्रकृति बदलकर रौद्र रूप धारण कर लिया था। राज्य का जर्रा-जर्रा विनाश की कुरूपता में तब्दील हो गया था। अलगाववाद का प्रपंच अलापने में लगी राज्य सरकार का तंत्र पंगु हो गया था। तब सेना की मदद से इस भीषण त्रासदी से पार पाना संभव हो पाया था। इसी तरह 2021 में नंदादेवी राश्ट्रीय उद्यान के निकट हिमखंड के टूटने से ताबाही मची थी। इससे धौलीगंगा नदी में अचानक बाढ़ आई और तपोवन विश्णुगाड पनबिजली परियोजना में काम कर रहे अनेक मजदूर काल के गाल में समा गए थे। हिमाचल प्रदेश में भी भू-स्खलन, बादल फटने और भारी बारिश से तबाही देखने में आ रही है। नेपाल की ल्हेंदे नदी में 14 माह के भीतर दूसरी बार बाढ़ आई है। आठ जुलाई 2025 की बाढ़ को नेपाल के मौसम विभाग ने उपग्रह से ली तस्वीरों के आधार पर हिमनदों के फटने से जोड़ा था। इस बार भी त्रासदी की यही प्रमुख वजह मानी जा रही है। समूची दुनिया में मौसम से जुड़ी तकनीकें सटीक जानकारी नहीं दे पा रही हैं।

मौसम विज्ञानी जता रहे हैं कि मानसून में रुकावट आ जाने से बादल पहाड़ों पर इकट्ठे हो जाते है और यही मूसलाधार बारिश और हिमखंड टूटने का कारण बनते हैं। यह तबाही इसी का परिणाम है। तबाही के कारण मानसून पर डालकर जिम्मेबार जवाबदेही से नहीं बच सकते। केदारनाथ में बिना मानसून के रुकावट के ही तबाही आ गई थी। अतएव यह कहना बेमानी है कि मानसून की रुकावट तबाही में बदली ? हकीकत में तबाही के असली कारण समूचे हिमालय क्षेत्र में बीते एक दशक से पर्यटकों के लिए सुविधाएं जुटाने के परिप्रेक्ष्य में जल विद्युत संयंत्र और रेल परियोजनाओं की जो बाढ़ आई हुई है, वह है। इन योजनाओं के लिए हिमालय क्षेत्र में रेल गुजारने और कई हिमालयी छोटी नदियों को बड़ी नदियों में डालने के लिए सुरंगें निर्मित की जा रही हैं। बिजली परियोजनाओं के लिए भी जो संयंत्र लग रहे हैं, उनके लिए हिमालय को खोखला किया जा रहा है। इस आधुनिक औद्योगिक और प्रौद्योगिकी विकास का ही परिणाम है कि आज हिमालय ही नहीं, हिमालय के शिखरों पर स्थित पहाड़ दरकने लगे हैं, जिन पर हजारों साल से मानव बसाहटें अपनी ज्ञान-परंपरा के बूते जीवन-यापन करने के साथ हिमालय और वहां रहने वाले अन्य जीव-जगत की भी रक्षा करते चले आ रहे हैं। हिमालय और पृथ्वी सुरक्षित बने रहें, इस दृष्टि से कृतज्ञ मनुष्य ने अथर्ववेद में लिखे पृथ्वी-सूक्त में अनेक प्रार्थनाएं की हैं। इस सूक्त में राष्ट्रीय आवधारणा एवं वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को विकसित, पोषित एवं फलित करने के लिए मनुष्य को नीति और धर्म से बांधने की कोशिशें की हैं। लेकिन हमने कथित भौतिक सुविधाओं के लिए अपने आधार को ही नष्ट करने का काम आधुनिक विकास के बहाने कर दिया। पहाड़ों में अतिवृष्टि के चलते हिमखंड और नदियों में झीलें अस्तित्व में आ जाती हैं। नेपाल त्रासदी की घटना में हिमखंड टूटने से झील का बनना और टूटना हैं। हिमालय में झील, तालाब और हिमनदों का बनना एक आश्चर्यजनक किंतु स्वाभाविक प्रक्रिया है।

इस आपदा ने यह जरूर जता दिया है कि नेपाल से लेकर उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर झीलों के खतरे बढ़ रहे है। राज्य में करीब 1266 ऐसी झीलें हैं। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीएमए) ने उत्तराखंड में 13 हिमनदों को खतरनाक श्रेणी के रूप में चिन्हित किया है। इनमें से पांच को उच्च संकट की श्रेणी में रखा है। हालांकि यह मुद्दा कोई नया नहीं है। 2013 में केदारनाथ जल प्रलय के बाद यह मुद्दा महत्वपूर्ण हो गया था। क्योंकि चैड़ाबाड़ी ग्लेशियर झील के फटने से केदारनाथ में भीशण तबाही आई थी। इसके बाद से ही उच्च हिमालयी क्षेत्रों में स्थित हिमनदों की निगरानी और इनसे बचाव के लिए अध्ययन करने की दिशा में पहल की गई थी।

नीली रस्सी

विकास खंड अधिकारी के कार्यालय के मुख्य दरवाजे के पास हर सोमवार को पचहत्तर साल के बद्री प्रसाद अपनी लाठी टेकते हुए आ खड़े होते थे। उनके कंधों पर पुरानी बोरी में मुड़ी-तुड़ी नीली प्लास्टिक की एक शीट और दो बालिश्त लंबी नीली रस्सी बंधी होती थी जिसे वे बड़े सहेजकर अपने पास रखते थे। दफ़्तर का नया चपरासी जब भी उन्हें वहाँ आकर बैठते देखता तो चाय का कुल्हड़ मेज पर रखते हुए ठहाका लगाकर कहता कि बाबा इस फटी नीली तिरपाल और रस्सी को रोज यहाँ धूप में सुखाने से क्या तुम्हारा पक्का मकान बन जाएगा जो हर हफ़्ते यहाँ हाज़िरी लगाने चले आते हो। बद्री प्रसाद अपनी पुरानी ऐनक के शीशे को कुर्ते के कोने से साफ करते और बहुत शांत स्वर में उत्तर देते कि बेटा इस फटी प्लास्टिक की शीट और रस्सी में मेरे जीवन का वो सबसे बड़ा सच छुपा है जिसकी गाँठ तुम्हारे अफसरों के कागजों में उलझ कर रह गई है। दफ़्तर में आने वाले तमाम फरियादी और ठेकेदार उनका मजाक उड़ाते हुए कहते कि लगता है इस बूढ़े का दिमाग उम्र के साथ सठिया गया है जो इस मामूली पन्नी को अपनी ढाल बनाकर पूरी पंचायत से मुकाबला करने चला है। बद्री प्रसाद किसी की कड़वी बात का बुरा माने बिना उस नीली रस्सी को अपनी उंगलियों से सहलाते और चुपचाप पीपल की छांव में खड़े रहकर फाइलों का इंतजार करते रहते थे।

ब्लॉक के सभी कर्मचारी बद्री प्रसाद के इस अनूठे नियम से पूरी तरह वाकिफ हो चुके थे और उन्हें एक हठी बुजुर्ग मानकर अनदेखा कर देते थे। दफ़्तर का बड़ा बाबू जब भी फाइलों का ढेर लेकर अपने केबिन की तरफ बढ़ता तो बद्री प्रसाद बहुत उम्मीद से अपनी लाठी के सहारे खड़े हो जाते और कहते कि बाबू जी क्या आज उस प्रधानमंत्री आवास योजना वाले कागज पर साहब की मुहर लग गई। बाबू गुस्से में चश्मा उतारकर डांटते हुए कहता कि अरे बाबा जब तक जीपीएस लोकेशन वाली फोटो की जांच पूरी नहीं होगी।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 29 अगस्त 2026 शनिवार
सूर्योदय - 06:12 सूर्यास्त 18:43
भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष
राहुकाल - 09:00 से 10:30 तक
तिथि - एकम 09:57 उपरांत दुतिया
नक्षत्र-पूवाभाद्रपद 03:42 उपरांत उत्तराभाद्रपदा
योग - सुकर्मा 06:36 उपरांत धृति 05:21 उपरांत शूल
करण - कौलव
चन्द्रमा - कुंभ में है। 21:38 पर मीन में प्रवेश करेगा।
मुस्लिम मास-रवि उलावल मास 15 तारिख

मेष- नई जिम्मेदारियां मिलेंगी, कार्यक्षमता से अधिकारी प्रभावित करेंगे। व्यापार विस्तार की योजनाएं सफल होंगी।

वृषभ- जीवनसाथी के साथ तालमेल बेहतर होगा। रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

मिथुन- नए प्रोजेक्ट्स की शुरूआत के लिए दिन श्रेष्ठ है। कारोबारी हैं तो व्यावसायिक यात्राएं लाभदायक रहेंगी।

कर्क- प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। आर्थिक लाभ की स्थिति बनी रहेगी। मानसिक शांति मिलेगी।

सिंह- आपकी नेतृत्व क्षमता का लोहा माना जाएगा। पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

कन्या- कारोबार में मुनाफे में बढ़ोतरी होगी। नए सौदे तय हो सकते हैं। जीवनसाथी के साथ सुखद यात्रा के योग हैं।

तुला- आर्थिक पक्ष काफी मजबूत रहेगा। नया निवेश लाभदायक रहेगा। सेहत अच्छी रहेगी।

वृश्चिक- कार्यस्थल पर अधिकारों में वृद्धि होगी। आपका प्रभाव बढ़ेगा।

धनु- कारोबारी हैं तो संपत्ति या अचल संपत्ति से जुड़े सौदों में लाभ होगा। परिजनों के साथ खुशनुमा समय बीतेगा।

मकर- धन संचय करने में सफलता मिलेगी। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कुंभ- कार्यक्षेत्र में आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। अटके हुए कार्य गति पकड़ेंगे।

मीन- कारोबार में नए एग्रीमेंट या सौदे मिलने के योग हैं। दांपत्य जीवन में सुख और सामंजस्य बना रहेगा।

समसामयिक

पैसा कमाने की दौड़ में कहीं जिंदगी तो नहीं हार रहे हम?

सवाल सिर्फ व्यवस्था से नहीं, हमसे भी है आदमी आखिर क्यों भाग रहा है? दिन-रात क्यों काम कर रहा है? किसके लिए इतना पैसा कमा रहा है? क्या कभी उसने रुककर खुद से पूछा है कि जिस धन को जोड़ने के लिए वह अपना स्वास्थ्य, परिवार, सुकून और प्रकृति तक दांव पर लगा रहा है, वह पैसा आखिर उसके किस काम आएगा?

कमलेश शर्मा
दैनिक अवन्तिका

पैसा जीवन की जरूरत है, लेकिन जीवन का विकल्प नहीं। धन से घर, सुविधाएं और इलाज खरीदा जा सकता है, लेकिन स्वस्थ शरीर, स्वच्छ हवा, साफ पानी और बीता हुआ समय नहीं खरीदा जा सकता। आज सुविधाएं बढ़ रही हैं, बाजार बढ़ रहे हैं और कमाई के साधन भी बढ़ रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या हमारा स्वस्थ जीवन भी उसी अनुपात में बढ़ रहा है?

कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को एक कठोर सबक दिया था। उस दौर में पैसा, पद और प्रतिष्ठा पीछे छूट गए थे और इंसान के लिए सबसे कीमती चीज एक-एक सांस बन गई थी। महामारी का दौर गुजरने के बाद हम फिर उसी तेज दौड़ में लौट आए। सवाल है–क्या हमने उस अनुभव से वास्तव में कुछ सीखा?

दूसरी ओर पर्यावरण का संकट लगातार गहराता जा रहा है। पेड़ों की कटाई, वायु प्रदूषण, जलस्रोतों का प्रदूषण और प्लास्टिक कचरा हमारे सामने गंभीर चुनौती बनकर खड़ा है। सुविधा और विकास की दौड़ में कहीं हम उस प्रकृति की कीमत तो नहीं चुका रहे, जिसके बिना हमारा अस्तित्व संभव नहीं?

सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि माता-पिता बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं, लेकिन अनजाने में उन्हीं बच्चों के लिए प्रदूषित हवा, दूषित पानी और अस्वस्थ वातावरण छोड़ने का खतरा भी पैदा कर रहे हैं।

आखिर यह कैसी तरक्की है, जिसमें भविष्य की कीमत वर्तमान में चुकाई जा रही है?

हम जानते हैं कि धूम्रपान और तंबाकू स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं, फिर भी इनका सेवन जारी है। हम जानते हैं कि पेड़ जीवन के लिए जरूरी हैं, फिर भी उनकी सुरक्षा को लेकर पर्याप्त गंभीरता नहीं दिखाते। हम जानते हैं कि प्लास्टिक पर्यावरण के लिए समस्या है, फिर भी सुविधा के नाम पर उसका इस्तेमाल करते हैं।

इसका अर्थ साफ है–समस्या केवल जानकारी की नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और व्यवहार में बदलाव की भी है।

सवाल केवल सरकार और प्रशासन से पूछने का नहीं है। सवाल हमसे भी है। क्या हम कचरा सड़क पर फेंकना बंद करेंगे?

क्या हम अनावश्यक प्लास्टिक का इस्तेमाल कम करेंगे?

क्या हम पेड़ लगाने के साथ उनकी देखभाल भी करेंगे?

क्या हम अपने बच्चों को केवल पैसा कमाने की शिक्षा देंगे या स्वस्थ पर्यावरण बचाने की जिम्मेदारी भी समझाएंगे?

प्रशासन की जिम्मेदारी है कि नियमों का प्रभावी पालन हो और पर्यावरण व सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े नियमों के उल्लंघन पर उचित कार्रवाई हो। लेकिन नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। कोई भी व्यवस्था तभी प्रभावी बनती है, जब समाज उसके नियमों को अपनी जिम्मेदारी समझकर अपनाता है। देश सेवा केवल मंच पर भाषण देने या स्वयं को समाजसेवक कहने से पूरी नहीं होती। देश सेवा उस समय भी होती है, जब कोई व्यक्ति एक पेड़ बचाता है, प्रदूषण फैलाने से बचता है, नशे से दूर रहता है, सार्वजनिक स्थान को साफ रखता है और दूसरों को भी जागरूक करता है।

मेजर ध्यानचन्द्र के हॉकी को समर्पण की यादगार का दिवस

राष्ट्रीय खेल दिवस

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की स्वर्णिम स्मृति मे प्रतिवर्ष 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। उल्लेखनीय है की हॉकी भारत का राष्ट्रीय खेल है । हॉकी का एक सुनहरी दौर रहा है। वर्ष 1928 से लेकर 56 तक ओलंपिक मे भारत ने लगातार हॉकी मे स्वर्ण पदक जीता फिर एक अंतराल से 1964 टोक्यो मे विजयी हुए और चार दशक पहले मॉस्को ओलंपिक मे वर्ष 80 मे भारत हॉकी का सिरमौर रहा।ध्यानचंद को पद्म विभूषण से सम्मानित किया जा चुका है और उनके सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न की माँग भी खेल प्रेमियो द्वारा की जाती रही है। एक दौर मे हॉकी मे भारत सिरमौर रहा करता था और मेजर ध्यानचंद टीम और स्वर्ण के पर्यायवाची बन चुके थे। गौरतलब है की स्टिक के जादूगर की जन्मजयंती 29 अगस्त को भारत मे राष्ट्रीय खेल दिवस मनाने की घोषणा वर्ष 2012 मे हुई परंतु हॉकी मे स्वर्ण के प्रयास जारी है सफलता शेष है। देश के अधिकांश शहरों मे दूरदर्शन के आगमन के पूर्व वर्ष 1980 के मॉस्को ओलंपिक मे भास्करन की कप्तानी मे हॉकी मे स्वर्ण पदक जीतने की कंमेंटरी रेडियो पर सुनी गई थी। कालांतर मे अशोक कुमार सोमैय्या मोहम्मद शाहिद जफर इकबाल परगट सिंह जैसे नाम हॉकी जगत मे इतिहास बन गए । पेरिस ओलंपिक मे भारत ने स्पेन को हराकर राष्ट्रीय खेल हॉकी मे कांस्य पदक जीता जबकि जर्मनी से आखरी समय मे पकड़ खो दी थी वर्ना स्वर्ण या रजत की दावेदारी तय थी। स्वर्ण की तलाश मे शहर के मीर रंजन नेगी के जीवन पर आधारित फिल्म चक दे इंडिया जैसे कोच और सप्पोर्टिंग स्टाफ की महती भूमिका हो सकती है।

निर्लेश तिवारी
(दैनिक अवन्तिका)

वर्तमान चेयरपर्सन उड़नपरी के नाम से विश्वविख्यात पी टी उषा का कार्यकाल ठीक ही रहा है हालांकि वे कभी भी ओलंपिक मे पदक हासिल नही कर पायी पर एशियन गेम्स की विजेता जरूर रही। उड़न सिक्ख मिल्खासिंह भी रोम ओलंपिक मे महीन अंतर से चुके थे । पदम अवार्डी होकर दिवंगत होने के बाद भी सबसे सम्माननीय खिलाडी है। उनकी उपलब्धियां अविस्मर्णीय है। जो मेहनत की लगन जुनून व जीत का जज्बा मिल्खासिंह का रहा वो नवोदित ओलंपिक खिलाडियों मे होना जरूरी है।मनु भाकर नीरज कुमार सहित अन्य पदक विजेताओ और चतुर्थ स्थान पर रह गए खिलाडियों के लिए आगामी स्पर्धा मे असीम संभावनाए है।

पिछले ओलंपिक के बाद उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के बाद खेल जगत और खिलाड़ियों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है।उज्जवल भविष्य की दिशा में खेल अकादमियों को मजबूत करना होगा ।अंतरराष्ट्रीय स्तर के कोच और देश के कोच का एक समूह बनाया जाकर नया प्रयोग किया जा सकता है । कोच और सपोर्टिंग स्टाफ के मानदेय,भत्ते बढ़ाने होंगे ,खिलाड़ियों को भी आर्थिक रूप से सुदृढ़ रखना होगा । खिलाड़ियों की फिटनेस बेहद महत्वपूर्ण मुद्दा है । विद्यालयों से ही नई पौध तैयार करना बेहतर होगा । विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में भी अपार संभावनाएं है वहां के खिलाड़ियों को उचित अवसर मिलना ही चाहिए . खेल से सन्यास ले चुके पूर्व के सफल खिलाड़ियों के अनुभव से लाभ प्राप्ति हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए । अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलो से जुड़ी नई तकनीकों व मशीनों का आगमन होते ही इनका उपयोग किया जाना चाहिए ताकि खिलाड़ी इसके अभ्यस्त हो सके और बेहतर प्रदर्शन कर सके । आगामी स्पर्धाओ मे पदक तालिका मे भारत सिरमौर होकर तिरंगा लहराएगा इसकी प्रबल संभावना है ।

धर्म–आस्था

108 दिव्य देश–जहां हर धाम में विराजते हैं श्रीहरि

सनातन धर्म में भगवान विष्णु की उपासना का विशेष महत्व है। भारत की धरती पर भगवान विष्णु के अनगिनत मंदिर हैं, लेकिन 108 दिव्य देश अपनी विशिष्ट आध्यात्मिक परंपरा के कारण विशेष स्थान रखते हैं। ये वे पवित्र धाम हैं, जिनकी स्तुति तमिल के बारह आलवार संतों ने अपनी भक्ति रचनाओं में की है। इन धामों को वैष्णव परंपरा में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के अत्यंत पावन निवास के रूप में माना जाता है। 108 दिव्य देशों में से 106 धाम पृथ्वी पर भारत और नेपाल में स्थित माने जाते हैं, जबकि अंतिम दो दिव्य धाम भौतिक संसार से परे भगवान विष्णु के दिव्य लोक में स्थित माने गए हैं।

इन धामों का महत्व केवल उनके प्राचीन मंदिरों और स्थापत्य में नहीं है, बल्कि उनसे जुड़ी भक्ति परंपरा, संतों की साधना और भगवान के प्रति समर्पण की भावना में भी है। सबसे अधिक दिव्य देश तमिलनाडु में हैं। यहां 84 दिव्य धाम स्थित हैं। श्रीरंगम का श्रीरंगनाथस्वामी मंदिर इनमें सबसे प्रसिद्ध धामों में गिना जाता है। कावेरी नदी के बीच स्थित श्रीरंगम वैष्णव भक्ति का अत्यंत महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां भगवान श्रीरंगनाथ शेषनाग की शय्या पर विश्राम करते हुए विराजमान हैं। मंदिर की विशालता और धार्मिक परंपरा भक्तों को विशेष रूप से आकर्षित करती है।

केरल में 11 दिव्य देश माने जाते हैं। इन्हें मलय देश के दिव्य धाम कहा जाता है। तिरुवनंतपुरम का श्रीपद्मनाभस्वामी मंदिर इनमें प्रमुख है। यहां भगवान विष्णु अनंत शेष पर शयन मुद्रा में विराजमान हैं। भगवान के इस स्वरूप के दर्शन भक्तों के लिए अत्यंत मंगलकारी माने जाते हैं। आंध्र प्रदेश में दो दिव्य देश हैं–तिरुपति और अहोबिलम्। तिरुपति भगवान श्रीवेंकटेश्वर की भक्ति का विश्वप्रसिद्ध केंद्र है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। अहोबिलम भगवान नरसिंह की उपासना का महत्वपूर्ण धाम है और भगवान के उग्र तथा करुणामय दोनों स्वरूपों की कथाओं से जुड़ा हुआ है।

उत्तर प्रदेश में चार दिव्य देश माने गए हैं–अयोध्या, मथुरा, नैमिषारण्य और गोकुल। यह भूमि भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़ी हुई है। अयोध्या में श्रीराम की मयार्दा और भक्ति का स्मरण होता है, जबकि मथुरा और गोकुल में श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और प्रेमभक्ति की अनुभूति होती है। नैमिषारण्य का संबंध प्राचीन ऋषि परंपरा और धार्मिक कथाओं से भी रहा है। उत्तराखंड में तीन दिव्य धाम हैं–बद्रीनाथ, ज्योतिर्मठ और देवप्रयाग। हिमालय की गोद में स्थित ये तीर्थ प्रकृति और अध्यात्म का अद्भुत संगम प्रस्तुत करते हैं। बद्रीनाथ धाम भगवान विष्णु के प्रमुख तीर्थों में है। देवप्रयाग में अलकनंदा और भागीरथी के संगम से गंगा का प्राकट्य होता है, जिससे इस क्षेत्र की धार्मिक महत्ता और बढ़ जाती है।

गुजरात में द्वारका एक दिव्य देश के रूप में प्रतिष्ठित है। भगवान श्रीकृष्ण की नगरी के रूप में प्रसिद्ध द्वारका भारत की कृष्ण भक्ति परंपरा का प्रमुख केंद्र है। समुद्र के किनारे स्थित यह पवित्र नगरी श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनकी लीलाओं का स्मरण कराती है। नेपाल में मुक्तिनाथ एक दिव्य देश माना गया है। हिमालय क्षेत्र में स्थित यह तीर्थ वैष्णव और शैव दोनों परंपराओं में महत्वपूर्ण है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। हिमालय की शांत और विराट प्रकृति भक्त के मन में वैराग्य और आध्यात्मिकता की भावना उत्पन्न करती है। इन 108 दिव्य देशों की एक और विशेषता भगवान विष्णु के विग्रह की अलग-अलग मुद्राएं हैं। वैष्णव परंपरा में भगवान के तीन प्रमुख स्वरूपों का वर्णन मिलता है–खड़े हुए, बैठे हुए और शयन करते हुए। 60 दिव्य देशों में भगवान विष्णु खड़े हुए स्वरूप में विराजमान हैं। यह मुद्रा जागरूकता, संरक्षण और भक्तों की रक्षा के भाव को दशार्ती है। 27 दिव्य देशों में भगवान विष्णु शयन मुद्रा में दिखाई देते हैं। शेषनाग पर विराजमान भगवान का यह स्वरूप अत्यंत मनोहारी है। शयन मुद्रा को भगवान की योगनिद्रा और सृष्टि के संचालन से जुड़े आध्यात्मिक भाव से देखा जाता है। 21 दिव्य देशों में भगवान विष्णु बैठे हुए स्वरूप में विराजमान हैं। यह मुद्रा शांति, स्थिरता और भक्तों को आशीर्वाद देने की भावना का प्रतीक मानी जाती है। इन 108 धामों की यात्रा केवल मंदिरों की यात्रा नहीं है। यह भारत की विशाल धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा की यात्रा भी है। दक्षिण भारत से हिमालय तक, उत्तर भारत से पश्चिमी समुद्र तट तक और भारत से नेपाल तक फैले ये तीर्थ बताते हैं कि हमारी आध्यात्मिक परंपरा भौगोलिक सीमाओं से कहीं बड़ी है।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6600 से 6650 विशाल 6350 से 6425 डंकी चना 6000 से 6100मसूर 6000 महाराष्ट्र सफेद 7600 से 7800 महाराष्ट्र लाल 7900 से 8100 कर्नाटक 8000से 8200 निमाड़ी तुअर 6500 से 7600 मूंग बेस्ट गर्मी 7000 से 7200 मूंग बेस्ट बोल्ड - 7400 से 7600 मीडियम बोल्ड 7300 से 7400 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 9100 से 9200 उड़द गर्मी 8600 से 9000 ग्रेविटी क्लीन 9300 से 9700 हल्का उड़द 4000 से 6000काबुली डॉलर 7500 से 8900 काबुली रशियन 6200 से 6400 बिटकी 5890 से 6000सरसों निमाड़ी 8100 से 8200 रायडा 7100 से 7300 करंज 5000 से 5200 सोयाबीन 6700 टोली 5300 से 5400 अलसी 8500 से 9000 तिल्ली 8000 से 9000 गेहूं मिल क्वालिटी 2650 से 2700 लोकवन 2900 से3100 पूर्णा 2750 से 2800 मालवराज 2600 से 2650 मक्का 2325 से 2350 चना दाल 7450 से 7550 मीडियम 7850 से 7950 बेस्ट 8050 से 8350 तुअर दाल 7000 से 7100 मीडियम 8000 से 8300 बेस्ट 9600 से 9900 एक्स्ट्रा बेस्ट 10700 से 10800 ब्रांडेड 12300 मूंग दाल 8700 से 8800 बेस्ट 8900 से 9000 मूंग मोगर 10700 से10800 बेस्ट 10900 से 11000

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 15000 से 18000 देशी 13000 से 14000 एवरेज 12000 से 15000. बारीक 9000 से 10000 रुपए क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 2462-2946, काबली- 5130-8211, बड़ा- 4570-5600, मसूर- 5801-7271, सरसो- 7050-7601, सोयाबीन 3536-7381, तुवर- 4250-4250, तिल्ली- 10491-11001, मावा- 300 प्रतिकिलो। सोना-चाँदी- सोना- स्टेण्डर्ड- 1,58,300 रवा- 1,58,000 चांदी- टंच- 2,42,000 पाट- 2,41,500।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती 75 से 200, तिबार 68 से 130, पोनिया 55 से 85, टुकडी 32 से 65, शेला 36 से 38, परमल 35 से 44, तुवर दाल निमाडी 135 महाराष्ट्र 105 से 120, तुवर दाल 80 से 120, मूंगदाल 85 से 110, मोगर 95 से 120, उड़द मोगर 110 से 120, उडद दाल 95 से 100, मसूरदाल 75 से 78, चना दाल 72 से 80 ।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

चंद्रप्रकाश पाटीदार को सीहोर जिले का प्रभारी बनाया

शाजापुर। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष

पवन पाटीदार ने शाजापुर भाजपा के युवा नेता चंद्र प्रकाश पाटीदार चावड़ा को भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा सीहोर जिले का प्रभारी नियुक्त किया है। संगठन द्वारा दी गई इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। चंद्रप्रकाश पाटीदार चावड़ा की नियुक्ति पर शाजापुर जिले के वरिष्ठ भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। कार्यकर्ताओं ने कहा कि चंद्रप्रकाश पाटीदार चावड़ा युवा एवं सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में संगठनात्मक गतिविधियों में लगातार सक्रिय रहे हैं। उनके अनुभव और सक्रियता का लाभ सीहोर जिले में पार्टी संगठन को मिलेगा तथा संगठन को और अधिक मजबूत करने में वे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

ट्रक खाई में पलटाया, हादसा दिखाने आग लगाई, 260 क्विंटल सोयाबीन भी गायब

खातेगाँव। सोयाबीन से भरा ट्रक देवास जिले के कन्नौद थाना क्षेत्र में खाई में गिर गया। इसके बाद उसमें आग लग गई। ट्रक आगर जिले से महाराष्ट्र के लिए निकला था। घटना 23 अगस्त की है। बुधवार को पुलिस ने ट्रक मालिक समेत तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गुरुवार को ड्राइवर को हिरासत में लिया है। शुक्रवार को उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। टीआई तहजीब काजी ने बताया कि बुधवार को मामला दर्ज हुआ था। ड्राइवर रईस को गुरुवार को हिरासत में लिया गया है। मामले को दुर्घटना (एक्सीडेंट) का रूप देकर एक्सीडेंट की रिपोर्ट लिखने का दबाव बनाने की कोशिश की थी। संदेह होने पर जांच की। इसी दौरान ट्रांसपोर्टर को बुलवाया। ट्रांसपोर्टर ने आगजनी की रिपोर्ट दर्ज कराई। जांच के दौरान सच सामने आया। गोविंद अग्रवाल के अनुसार, 21 अगस्त को ट्रक ड्राइवर ने अकोदिया में वाहन खराब होने की सूचना दी। मरम्मत के नाम पर 5 हजार रुपए और लिए गए। 22 अगस्त को ट्रक मालिक शादाब ने बताया कि वाहन ठीक हो गया है। रात 12 बजे रवाना होगा।

दो दिन से रुक-रुककर बारिश, अभी तक 24 इंच

शुजालपुर। क्षेत्र में बीते दो दिनों से रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। कभी तेज तो कभी हल्की बारिश से मौसम सुहाना हो गया है। लगातार बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई है, वहीं खेतों में खड़ी फ सलों को भी राहत मिली है। गुरुवार को क्षेत्र के कई क्षेत्रों में बारिश दर्ज की गई।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का धरना

सरकार के खिलाफ नारेबाजी की, महंगाई पर अंकुश लगाने की माँग

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

शक्कर, गैस सिलेंडर, पेट्रोल सहित रोजमर्रा की जरूरतों की बढ़ती कीमतों और बिजली बिलों में वृद्धि के विरोध में कांग्रेस ने गुरुवार को शुजालपुर में धरना प्रदर्शन किया। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर ब्लॉक कांग्रेस, शहर कांग्रेस सहित विभिन्न प्रकोष्ठों एवं मंडलों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता दोपहर 12 बजे सिटी बस स्टैंड पर एकत्रित हुए। कांग्रेसजनों ने नगरपालिका के सामने धरना दिया। इसके बाद सिटी बस स्टैंड से काली माता मंदिर चौराहा, छोटा बाजार और बड़ा बाजार होते हुए पैदल मार्च निकाला, जो वापस सिटी बस स्टैंड पहुंचकर समाप्त हुआ। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र व प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए महंगाई पर अंकुश लगाने की मांग की।

प्रदेश उपाध्यक्ष महेंद्र जोशी ने कहा कि बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। शक्कर, पेट्रोल, गैस सिलेंडर और रोजमर्रा की जरूरतों के बढ़ते दामों के खिलाफ कांग्रेस आम जनता की आवाज उठा रही है। प्रदेश महासचिव रामवीर सिंह सिकरवार ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि महंगाई पर रोक लगाकर आमजन को राहत दी जाए, अन्यथा कांग्रेस आगे उग्र आंदोलन करेगी। प्रदेश सह सचिव रचना जैन ने गले में शक्कर की माला पहनकर विरोध जताया। उन्होंने कहा कि महंगाई के कारण महिलाओं के रसोई घर का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। अब चाय में भी शक्कर डालना मुश्किल हो रहा है। कार्यक्रम को पूर्व जिला अध्यक्ष अजब सिंह पंवार, अचल सिंह मेवाड़ा, राजेंद्र सिसोदिया, बल्ला सोनी, हाजी मेहबूब और अनिल सिसोदिया ने भी संबोधित किया। संचालन मंगल सिंह राठौड़ तथा आभार रईस पठान ने माना। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष केदार मेवाड़ा, युवक कांग्रेस जिला अध्यक्ष जयंत सिकरवार, मंडलम अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, जिला महामंत्री अन्नू पठान, ब्लॉक उपाध्यक्ष महेंद्र नाहर, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग जिला अध्यक्ष हसन रजा कुरैशी, सोशल मीडिया प्रदेश महासचिव विष्णु शर्मा, पूर्व पार्षद विक्रम सिसोदिया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शाजापुर

देश में बेलगाम होती महंगाई के विरोध में गुरुवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने शहर में जोरदार प्रदर्शन किया। पेट्रोल-डीजल से लेकर रोजमर्रा की चीजों की बढ़ती कीमतों से त्रस्त आम जनता की आवाज उठाते हुए कांग्रेसियों ने बस स्टैंड से लेकर आजाद चौक तक एक विशाल पैदल मार्च निकाला। इस दौरान कांग्रेस के विरोध का एक अनोखा और दिलचस्प तरीका भी देखने को मिला। महंगाई की मार से आम आदमी के जीवन में घुल रही कड़वाहट के बीच, कांग्रेस कार्यकताओं ने राहगीरों, दुकानदारों और आम जनता को शक्कर बांटी और उन्हें मिठास का अहसास कराया। पैदल मार्च के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के हाथों में तख्तियां थीं और वे केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे थे। कांग्रेस नेताओं का कहना था कि सरकार की गलत नीतियों के कारण आज आम आदमी की थाली का बजट पूरी तरह से बिगड़ चुका है। सरकार भले ही जनता को महंगाई का दर्द दे रही है, लेकिन इस शकर के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि कांग्रेस हमेशा जनता के साथ खड़ी है। बस स्टैंड से शुरू हुआ यह मार्च शहर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ आजाद चौक पहुंचा, जहां इसने एक नुक्कड़ सभा का रूप ले लिया। इस पैदल मार्च और विरोध प्रदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और आम जन मौजूद रहे।

एक चम्मच शक्कर देकर जताया विरोध

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता हाथों में शक्कर की थैलियां लेकर पहुंचे और लोगों को एक-एक चम्मच शक्कर बांटते हुए महंगाई पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि शक्कर इतनी महंगी हो गई है कि अब सभी के हिस्से में सिर्फ एक चम्मच ही आ रही है। कार्यकताओं ने व्यंग्य करते हुए लोगों से कहा कि इसे संभालकर घर ले जाएं, कहीं रास्ते में कोई छीन न ले। इस दौरान कार्यकताओं ने अभी तो ये मुंह दिखाई है, आगे और महंगाई है तथा रोजी-रोटी दे न सके,वो सरकार निकम्मी है, जो सरकार निकम्मी है वो सरकार बदलनी है जैसे नारे लगाए।

बड़ौद

बढ़ती महंगाई और आम जनता की समस्याओं को लेकर ब्लॉक एवं शहर कांग्रेस कमेटी ने बुधवार को तहसीलदार कार्यालय पर मनीष सोनी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से शासन-प्रशासन से आम जनता को महंगाई से राहत दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की गई।

ब्लॉक एवं शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई के कारण आम आदमी का घरेलू बजट बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ने से गरीब, किसान, मजदूर एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। कांग्रेस ने ज्ञापन के माध्यम से शक्कर सहित आवश्यक खाद्य वस्तुओं के बढ़ते दामों पर तत्काल नियंत्रण, रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में राहत, बिजली के बढ़ते बिलों से आम उपभोक्ताओं को राहत तथा महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ठोस एवं स्थायी कदम उठाने की मांग की।

इसके अलावा ज्ञापन में गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए आवश्यक वस्तुएं उचित एवं सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने तथा पेट्रोल से संबंधित आम जनता की चिंताओं का निराकरण कर आम आदमी को उचित राहत प्रदान करने की मांग भी की, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मेहरबान सिंह महेंद्र सिंह निषाद मंसूरी प्रकाश शर्मा सुल्तान सिंह जीतू मकवाना राजेंद्र किशोर शर्मा शंकर सिंह जहीदउल्ला, राजा खान कुलदीप सिंह श्याम सिंह आयुष जैन शाहिद कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

फेसबुक का प्यार, 1121 किमी का सफर और खौफनाक अंत

उज्जैन का कहकर निकले युवक ने बिहार में प्रेमिका के सामने खाया जहर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

सोशल मीडिया पर परवान चढ़ा प्यार जब हकीकत की कसौटी पर कसा, तो उसका अंजाम बेहद दर्दनाक निकला। परिजनों से उज्जैन जाने का झूठ बोलकर 1121 किलोमीटर दूर बिहार के बगहा पहुंचा शुजालपुर का एक 23 वर्षीय युवक अपनी ही जिद की भेंट चढ़ गया। फेसबुक के जरिए जिस तलाकशुदा महिला को उसने अपना दिल दिया था, उसी के घर में मोबाइल फोन को लेकर हुए विवाद के बाद युवक ने जहर पीकर अपनी जान दे दी। इस खौफनाक घटना ने जहां परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है, वहीं बिहार पुलिस ने प्रेमिका को हिरासत में लेकर मामले की तहकीकात शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, शुजालपुर सिटी थाना क्षेत्र के ग्राम रायपुर निवासी मृतक शरद राठौर की करीब दो साल पहले बगहा बिहार के डीह डोमवलिया में रहने वाली एक महिला से फेसबुक के जरिए दोस्ती हुई थी। कुछ ही समय में यह दोस्ती प्यार में बदल गई और दोनों ने शादी करने का मन बना लिया। महिला पहले से तलाकशुदा है और उसकी दो बेटियां हैं। शरद रविवार को परिजनों से उज्जैन जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन मंगलवार को वह सीधा अपनी प्रेमिका के दरवाजे पर जा पहुंचा।

हिरासत में ली गई महिला ने पुलिस को बताया कि मंगलवार को शरद बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक उसके घर आ गया। उस समय वह अपनी दोनों बेटियों के साथ घर पर थी। घर में दाखिल होते ही शरद ने उससे उसका मोबाइल फोन मांगा। जब महिला ने फोन देने से साफ इनकार कर दिया, तो दोनों के बीच तीखी बहस होने लगी।

आरोप है कि विवाद इतना बढ़ा कि शरद ने अपनी जेब से एक शीशी निकाली और उसमें रखा जहरीला पदार्थ गटक लिया। इसके बाद उसने खुद को एक कमरे में अंदर से बंद कर लिया। घबराई महिला की सूचना पर तत्काल डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दरवाजा तुड़वाकर युवक को बाहर निकाला और अनुमंडलीय अस्पताल ले गई। हालत बिगड़ने पर उसे बेतिया के जीएमसीएच रेफर किया गया, लेकिन एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसने दम तोड़ दिया।

प्रेमिका तलाकशुदा होकर दो बेटियाँ की माँ

18 अगस्त से काम से था नदारद, शादी का बना रहा था दबाव

अरनियाकला बस स्टैंड स्थित होटल के संचालक सुनील ने बताया कि शरद उनके यहां चाइनीज डिश बनाने का काम करता था। वह 18 अगस्त से ड्यूटी पर नहीं आया था और अक्सर मोबाइल पर लंबी बातें करता था। वहीं, महिला का आरोप है कि बीते कुछ समय से शरद का व्यवहार बदल गया था। शादी से इनकार करने पर वह अलग-अलग नंबरों से फोन करके उस पर शादी का दबाव बना रहा था और परेशान कर रहा था।

अनजान थे परिजन सूचना मिलते ही बिहार रवाना

बुधवार सुबह करीब 9 बजे बिहार पुलिस का फोन आने पर शरद के परिजनों को इस मनहूस घटना की जानकारी मिली। मृतक के पिता जो बस कंडक्टर हैं और चचेरे भाई आनन-फानन में बिहार के लिए रवाना हो गए। परिजनों का कहना है कि उन्हें युवक के प्रेम प्रसंग की कोई भनक तक नहीं थी। वहीं सूत्रों के अनुसार पुलिस महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट व जांच के बाद ही मौत की असली वजह स्पष्ट हो सकेगी।

रक्षाबंधन पर बहन से भाई-भाभी ने की मारपीट

सुसनेर। थाना क्षेत्र के ग्राम कायरा में रक्षाबंधन के दिन एक महिला से उसके भाई और भाभी ने मारपीट की। इस घटना में महिला के कान में चोट लगी और खून बहने लगा। उसे उपचार के लिए सुसनेर अस्पताल ले जाया गया, जहां से पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस के अनुसार, ग्राम नैनोरा निवासी रेखा बाई रक्षाबंधन पर अपने मायके ग्राम कायरा पहुंची थीं। आरोप है कि उनके भाई मानसिंह और उनकी पत्नी को रेखा बाई का आना पसंद नहीं आया। उन्होंने पुराने विवाद को लेकर रेखा बाई से झगड़ा शुरू कर दिया। कथित तौर पर इसी दौरान भाई और भाभी ने रेखा बाई के साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान रेखा बाई के कान के बाहरी हिस्से में चोट लगी, जिससे खून बहने लगा। परिजन उन्हें तुरंत उपचार के लिए सुसनेर अस्पताल ले गए। अस्पताल प्रबंधन ने घटना की सूचना पुलिस को दी। इसके बाद रेखा बाई ने सुसनेर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने रेखा बाई की शिकायत के आधार पर मानसिंह और उनकी पत्नी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुरिस विवाद और मारपीट की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

बूढ़ा अमरनाथ यात्रा से लौटने पर किया स्वागत

शाजापुर। जिले के 105 बजरंग दल कार्यकर्ता जम्मू-कश्मीर स्थित पवित्र बूढ़ा अमरनाथ की यात्रा सफलतापूर्वक पूरी कर गुरुवार को सकुशल अपने नगर लौट आए। उनके आगमन पर बजरंग दल के पदाधिकारियों, विश्व हिंदू परिषद के सदस्यों और स्थानीय नागरिकों ने पलक पावड़े बिछाकर स्वागत किया। यात्रा से लौटे जत्थे का मुख्य रूप से बेरछा रेलवे स्टेशन और शाजापुर के प्रसिद्ध राजराजेश्वरी मंदिर पर आत्मीय अभिनंदन किया गया। इस मौके पर विहिप के कैलाश सेन सहित कार्यकर्ता मौजूद थे।

एनसीसी भर्ती में पक्षपात का आरोप, सौंपा ज्ञापन

शाजापुर। एनसीसी भर्ती में पक्षपात और धांधली का आरोप लगाते हुए एनएसयूआई कार्यकताओं ने बीकेएसएन कालेज में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। गुरुवार को कार्यकताओं ने नारेबाजी कर प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर बताया कि 24 अगस्त को हुई एनसीसी भर्ती में शारीरिक दक्षता के मापदंडों का पालन किए बिना कुछ विद्यार्थियों के चयन कर लिया गया। जबकि शारीरिक रूप से दक्ष कई विद्यार्थियों को चयन से बाहर कर दिया गया। एनएसयूआई ने मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई किए जाने की मांग की।

972 किलो मिठाई और एनालॉग मावा नष्ट जोधपुर, न्यू स्वदेशी स्वीट्स से जब्त की थी

देवास। देवास में त्योहारों से पहले मिलावटी खाद्य सामग्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। बुधवार रात जोधपुर स्वीट्स और न्यू स्वदेशी स्वीट्स से जब्त की गई 972 किलो से अधिक मिठाई और एनालॉग मावे को गुरुवार को नगर निगम के ट्रेंचिंग ग्राउंड में नष्ट कर दिया गया। नायब तहसीलदार कपिल गुर्जर और खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेंद्र ठाकुर के नेतृत्व में एक संयुक्त टीम जब्त की गई मिठाई और मावे को ट्रेंचिंग ग्राउंड लेकर पहुंची। यहां पूरी सामग्री को नष्ट कर दिया गया, ताकि इसे दोबारा बाजार में खपाया न जा सके। इस कार्रवाई में बड़ी मात्रा में तैयार मिठाई के साथ एनालॉग मावा भी शामिल था। त्योहारों के मद्देनजर खाद्य विभाग की इस कार्रवाई से मिलावटी खाद्य सामग्री तैयार करने और बेचने वालों में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों ने बताया कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जांच और कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने श्रीमती संगीताबाई उम्र 57 वर्ष पति जगदीशचन्द्रजी जाति ब्राहम्ण, निवासी सोमेश्वर गली बड़नगर, जिला उज्जैन म.प्र. से उनके मालीकाना व आधिपत्य के मकान जिसका नगरपालिका गृह क्रमांक 10/अ है मकान स्थित सोमनाथ गली वार्ड क्रमांक 13 कस्बा बड़नगर, जिला उज्जैन म.प्र.। उक्त मकान मे आगे एक दुकान निर्मित है उक्त मकान व दुकान का कुल क्षेत्रफल 93.30 वर्गमीटर है जिसकी चतुःसीमा इस प्रकार है पूर्व दिशा में नवीन जी त्रिवेदी का मकान, पश्चिम दिशा में राधेश्याम जी का मकान, उत्तर दिशा मे धनराज जी जैन का मकान, दक्षिण दिशा में आम रास्ता स्थित है। को क्रय करने का सौदा तय कर लिया होकर उन्हें बयाना राशि अदा कर दी है तथा उपरोक्त मकान के विक्रय पत्र का पंजीयन करवाना शेष है। यदि उपरोक्त मकान के संबंध में किसी भी संस्था, शासकीय, अर्द्धशासकीय बैंक, पेढ़ी अथवा प्रायवेट व्यक्ति का कोई बोझ या ऋण बकाया हो मकान के संबंध में किसी भी न्यायालय या फोरम में कोई वाद-विवाद विचाराधीन हो अथवा किसी भी अन्य व्यक्ति का कोई स्वत्व या हित निहित हो या मकान के विक्रय होने में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर मय दस्तावेजी प्रमाण के प्रत्यक्ष रूप से मेरे कार्यालय में उपस्थित होकर मुझसे संपर्क कर लेवें। अन्यथा बाद मियाद गुजरने के सूचना मेरे पक्षकार द्वारा मकान का शेष विक्रय मूल्य अदा कर उसके विक्रय पत्र का पंजीयन करवा लिया जाएगा। तत्पश्चात किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित हो।

दिनांक - 28/08/2026

माधुरी सोनी एड्व्होकेट
कार्यालय -रवि सोनी का
ऑफीस, T-13 नागेश्वरधाम
कॉलोनी बड़नगर, जिला उज्जैन
मो. 8871335849,
7898524515

तहसीलदार के आश्वासन पर पाँचवें दिन धरना आंदोलन स्थगित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

फ सल बीमा राशि में कथित विसंगतियों और कई हल्कों के किसानों को बीमा राशि से वंचित रखने के विरोध में भारतीय किसान संघ तहसील इकाई अवंतिपुर बड़ोदिया द्वारा 23 अगस्त से धरना प्रदर्शन किया जा रहा था, जो कि गुरूवार को तहसीलदार विष्णुप्रसाद प्रजापति के आश्वासन के बाद स्थगित हुआ। किसानों का आरोप है कि जहां बीमा राशि आई है, वह भी ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। कई स्थानों पर अधिक, कहीं कम और कई हल्कों में बिल्कुल भी बीमा राशि नहीं मिली है। किसानों ने बताया कि तहसील के हल्का नंबर 104 ग्राम पंचायत अवंतीपुर में पिछले पांच वर्षों से किसानों को फ सल बीमा राशि नहीं मिली है। वहीं लालपुरा पंचायत के तीन गांवों के किसान भी बीमा राशि से वंचित हैं। किसानों का कहना है कि बीमा वितरण में इस तरह की विसंगतियों से किसानों में असंतोष बढ़ रहा है।

किसानों ने बताया कि चार दिनों तक धरना जारी रहने के बावजूद शासन-प्रशासन की ओर से अभी तक कोई अधिकारी किसानों से चर्चा करने नहीं पहुंचा। इससे किसानों में आक्रोश था, लेकिन गुरूवार को तहसीलदार विष्णुप्रसाद प्रजापति आंदोलनकारियों के बीच पहुंचे और किसान संघ जिलाध्यक्ष सवाईसिंह सिसोदिया से चर्चा की।

देवास में खेलो इंडिया संवाद में 400 युवा शामिल

यंग लीडर्स डायलॉग 2027 के पोस्टर का विमोचन नशा युवाओं का सबसे बड़ा दुश्मन- सांसद सोलंकी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

देवास में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर गुरुवार को अमलतास विश्वविद्यालय में ह्यखेलो इंडिया संवाद-खेल की बात, प्रधानमंत्री के साथ कार्यक्रम हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से देशभर के युवाओं, खिलाड़ियों और विद्यार्थियों से संवाद किया। देवास में हुए कार्यक्रम में करीब 400 युवाओं ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी ने युवाओं से संवाद किया। उन्होंने खेल और फिटनेस के महत्व पर जोर दिया और नशे से दूर रहने की अपील की। सांसद

ने कहा कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन नशा इस शक्ति का सबसे बड़ा दुश्मन है। उन्होंने युवाओं से अपनी ऊर्जा खेल, शिक्षा और राष्ट्र निर्माण में लगाने को कहा।

कार्यक्रम में युवाओं को आइडिया बॉक्स के जरिए खेल, युवा विकास और राष्ट्र निर्माण से जुड़े सुझाव प्रधानमंत्री तक पहुंचाने की जानकारी दी गई। इस दौरान विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2027 के पोस्टर का विमोचन भी किया गया।

सांसद ने खिलाड़ियों से की बातचीत

प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान युवाओं ने खेल, फिटनेस, युवा नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विचार सुने। सांसद सोलंकी ने कार्यक्रम में मौजूद राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के युवा खिलाड़ियों से भी बातचीत की। उन्होंने खिलाड़ियों से उनके खेल अनुभव और उपलब्धियों की जानकारी ली। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों ने मां सरस्वती के पूजन और माल्यार्पण से की।

कॉलेजों में बदहाली पर एबीवीपी का सड़क पर धरना, दिया ज्ञापन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

जिले के सरकारी कॉलेजों में मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर छात्रों का गुस्सा गुरुवार को फूट पड़ा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के बैनर तले बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सड़क पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता दोपहर करीब तीन बजे पंडित बालकृष्ण शर्मा नवीन महाविद्यालय में एकत्रित हुए और वहां से नारेबाजी करते हुए पैदल मार्च कर कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां छात्रों ने उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के नाम एसडीएम मनीषा वास्कले को 17 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सड़क पर बैठकर भी अपना विरोध दर्ज कराया। विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों ने प्रशासन को बताया कि सरकारी कॉलेज विद्यार्थियों के शैक्षणिक और व्यक्तित्व विकास का अहम केंद्र होते हैं, लेकिन जिले के कॉलेजों में जरूरी बुनियादी सुविधाओं का भारी टोटा है। इससे छात्रों को हर दिन परेशान होना पड़ रहा है। परिषद ने स्पष्ट किया कि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ एक बेहतर और सुरक्षित माहौल मिलना चाहिए।

एबीवीपी ने पढ़ाई से जुड़ी जरूरतों को उठाते हुए मांग रखी कि लाइब्रेरी में कोर्स के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की किताबें, अखबार और ई-लाइब्रेरी की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। इसके साथ ही प्रयोगशालाओं को अपग्रेड करने, खेल मैदान व खेल सामग्री मुहैया कराने की भी मांग रखी गई। सुरक्षा के लिहाज से कॉलेज कैंपस में सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षित पार्किंग और वाई-फाई सुविधा देने की बात ज्ञापन में शामिल है। एबीवीपी नेताओं ने प्रशासन से मांग की है कि इन 17 सूत्रीय मांगों को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द बजट और उच्चस्तरीय स्वीकृति के लिए शासन को प्रस्ताव भेजे जाएं। साथ ही, इन मांगों पर प्रशासन स्तर पर क्या कार्रवाई हो रही है, इससे विद्यार्थी प्रतिनिधियों को भी समय-समय पर अवगत कराया जाए, ताकि छात्रों की समस्याओं का स्थायी समाधान हो सके।

पानी, शौचालय और कक्षाओं में अव्यवस्था

ज्ञापन में मुख्य रूप से परिसरों की बदहाली का मुद्दा उठाया गया। छात्रों ने बताया कि कॉलेजों में पीने के साफ पानी तक की उचित व्यवस्था नहीं है। वाटर कूलर और आरओ मशीनें खराब पड़ी हैं, जिन्हें तुरंत सुधारा जाए। इसके अलावा छात्र-छात्राओं के लिए पर्याप्त व स्वच्छ शौचालय और विशेषकर छात्राओं के लिए सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग व डिस्पोजल मशीन लगाने की मांग की गई। वहीं, कक्षाओं में पर्याप्त बेंच-डेस्क, पंखे, उचित रोशनी और सुरक्षित बिजली व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया ताकि पढ़ाई का माहौल बन सके।

दि. उज्जैन मंडल डाक तार कर्मचारी सहकारी साख संस्था (मर्यादित) उज्जैन
पंजीयन क्रमांक ए. आर. उज्जैन 50/1960 दिनांक 27.09.1960
कार्यालय : मुख्य डाकघर प्रांगण उज्जैन 456001
फोन 2559970
दिनांक-27/08/2026

साधारण सभा की सूचना

माननीय समस्त सदस्यगण,
दी.उ.म.डा.ता.सह. साख. सं. मर्या. उज्जैन,

आपको सूचित किया जाता है कि संस्था की 66वीं वार्षिक साधारण सभा दिनांक 30.08.2026 वार रविवार को प्रातः 12 बजे स्थान शुभम मांगलिक परिसर सांवरिया सेंडविच के पास नानाखेड़ा, उज्जैन में आयोजित की गई है। सूचना पत्र डाक द्वारा भेजे जा चुके है यदि किसी कारण वश सूचना पत्र प्राप्त नहीं हुआ हो तो इस सूचना को ही आधार मानकर सभा में आप अवश्य पधारें। आप सादर आमंत्रित हैं।

श्री विजय पंत
(अध्यक्ष)
दी. उज्जैन मंडल डाक-तार कर्मचारी
सहकारी साख संस्था मर्या. उज्जैन

विद्यार्थियों ने जवानों को भेजी स्नेह की डोर

महिदपुर। शासकीय मॉडल स्कूल में रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में राखी मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सुंदर राखियां बनाईं। साथ ही देश के वीर जवानों के प्रति सम्मान और देशभक्ति प्रकट करते हुए स्वयं बनाई राखियां सीमाओं पर तैनात जवानों के लिए भेजीं।

मुख्यमंत्री श्रावण शुक्ल पूर्णिमा पर निजानंद कुटिया पर दर्शन के लिए आए

खाचरौद। श्रावण शुक्ल पूर्णिमा एवं रक्षाबंधन के पावन पर्व पर श्री निजानंद धाम आश्रम (चिरोला फंटा, खाचरौद) पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुदेव का पूजन एवं माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया गया। मुख्यमंत्री के आगमन पर निजानंद समिति द्वारा स्वागत सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री का काफिले का स्वागत हैलीपैड मार्ग से कुटिया तक मंच से पुष्प वर्षा कर किया गया।

जीवनधारा नमामि गंगे संस्था ने किया पौधारोपण

सुसनेर। जीवनधारा नमामि गंगे संस्था के तत्वावधान में मंगलवार 26 अगस्त को पंचमुखी हनुमान मंदिर, थाना परिसर सुसनेर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के अधिकारियों सहित संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में देवनारायण यादव, अनुविभागीय पुलिस अधिकारी सुसनेर एवं अनिल मालवीय, थाना प्रभारी सुसनेर का गरिमामयी सानिध्य प्राप्त हुआ। संस्था की ओर से अभिषेक पाण्डे, प्रदेश उपाध्यक्ष, अमित शर्मा (चंकी भैया), जिला अध्यक्ष आगर मालवा, एडवोकेट कुलदीप प्रजापति, महेश राठौर एवं अंकित जैन सहित संस्था के सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर पंचवटी (मंगल वाटिका) की स्थापना के उद्देश्य से पीपल, बरगद, बेल, आंवला एवं अशोक के पौधों का रोपण किया गया। इसके अतिरिक्त जामुन, आम, नीम, गुड़हल, शीशम सहित अनेक प्रजातियों के पौधे भी लगाए गए। संस्था सदस्यों ने पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया।

झाड-फूंक में गया समय तो जा सकती है जान, सर्पदंश पर सीधे अस्पताल पहुंचें

सारंगपुर। बारिश के मौसम में सर्पदंश की घटनाएं बढ़ने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में अंधविश्वास के चलते होने वाली देरी को लेकर स्थानीय प्रशासन ने चिंता जताई है। सारंगपुर एसडीएम जय सोलंकी ने आमजन से अपील की है कि सांप के काटने की स्थिति में झाड-फूंक और तंत्र-मंत्र के चक्कर में समय बर्बाद करने के बजाय पीडित को तत्काल निकटतम शासकीय अस्पताल पहुंचाएं। उनका कहना है कि सर्पदंश के मामलों में उपचार शुरू करने में हर मिनट महत्वपूर्ण होता है और समय पर अस्पताल पहुंचने से जान बचाई जा सकती है। एसडीएम सोलंकी ने बताया कि अधिकांश सांप विषहीन होते हैं, लेकिन यदि सांप विषैला है तो देरी घातक साबित हो सकती है। सर्पदंश के उपचार में एंटी-स्नेक वेनम (एएसवी) सबसे प्रभावी उपचार है, जो शासकीय अस्पतालों में निश्शुल्क उपलब्ध है।

जलभराव, इल्ली और अफलन की मार

सारंगपुर। क्षेत्र के अधिकांश गाँवों में हाल ही में हुई अतिवृष्टि ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। उदनखेडी, नरानिया, सुल्तानिया, नेनवाडा और छापरा सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में खेतों में लंबे समय से जलभराव की स्थिति बनी हुई है। पानी जमा होने के कारण सोयाबीन की फसल में भयंकर इल्ली प्रकोप और अफलन (फली न आना या दाना न बनना) की समस्या उत्पन्ना हो गई है, जिससे फसल पूरी तरह खराब होने के कगार पर पहुँच चुकी है। ऐन वक्त पर फसल नष्ट होने से स्थानीय किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा सकती हैं।

10 राज्यों में किया पीछा 14 आरोपी गिरफ्तार, 3 हजार से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले

पैसे डबल करने का झांसा देकर 2 करोड़ की धोखा-धड़ी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश

1.73 करोड़ नगद, 4 वाहन,19 एंड्रॉयड मोबाइल सहित कुल 2 करोड़ 92 लाख 91 हजार रुपए का माल जप्त

दैनिक अवन्तिका ▸▸ ब्यावरा

राजगढ़ जिले के ब्यावरा सिटी पुलिस थाना अंतर्गत फरियादी देवेन्द्र पिता कृपाशंकर पालीवाल 46 वर्ष निवासी ब्यावरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि प्रफुल्ल गजभिये ने स्वयं को बड़ी कम्पनी से जुड़े लोगों का परिचित बताते हुए निवेश की रकम दोगुनी करने का लालच दिया। उसके द्वारा अन्य आरोपियों से फरियादी की मुलाकात कराई तथा फर्जी ई-मेल एवं दस्तावेज दिखाकर विश्वास में लिया। आरोपियों ने फरियादी को 2 करोड़ रु निवेश करने पर अधिक राशि वापस मिलने का झांसा दिया।

भोपाल में आरोपियों ने फरियादी से 2 करोड़ रु नगद प्राप्त कर उसे हवाला, आंगड़िया के माध्यम से भेजने की बात कही तथा फर्जी भुगतान संदेश दिखाकर उसे भ्रमित किया। राशि वापस प्राप्त नहीं होने पर फरियादी को अपने साथ हुई धोखाधड़ी का पता चला। फरियादी दो दिनों तक आरोपियो की तलाश भोपाल में करता रहा कोई जानकारी नहीं मिलने पर थाना ब्यावरा पुलिस को सूचित किया। ब्यावरा पुलिस ने अपराध पंजीकृत किया। प्रथम दृष्टया आरोपियों द्वारा आपराधिक षड्यंत्रपूर्वक धोखाधड़ी कर राशि हड़पने पर थाना ब्यावरा शहर में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक राजगढ़ ने आरोपियों की गिरफ्तारी एवं ठगी गई राशि की बरामदगी हेतु 10 विशेष पुलिस टीमों का गठन किया जिसमें लगभग 50 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे। आरोपियों के मूवमेंट व आपसी कनेक्शन की कड़ियां जोड़ने के लिए अलग-अलग राज्यों में करीब 3 हजार से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले। पुलिस टीमों ने लगभग 30 हजार किलोमीटर की दूरी तय करते हुए करीब 35 दिनों तक लगातार कार्रवाई की, आरोपियों की तलाश में महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, केरल, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, हरियाणा सहित 10 राज्यों में लगातार दबिश दी और विभिन्न राज्यों से 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस गिरोह की कार्य प्रणाली कई स्तरों में बँटी हुई थी। जिसमे पहला स्तर था मालदार पर जरूरतमंद पीड़ित को चिन्हित करना।

भोपाल के जहांगीराबाद स्थित बाबूलाल कांतीलाल कोरियर ऑफिस पर फरियादी से 2 करोड़ रु की नगद राशि प्राप्त की। जांच में सामने आया कि अंगड़िया हेड आरिफ हुसैन के कहने पर सन्नी उर्फ शमीम मंडल एवं मुस्कीम मंडल राशि लेने के लिए जहांगीराबाद भोपाल पहुंचे। दोनों ने फरियादी से 2 करोड़ रु की नगद राशि प्राप्त की और इसके बाद फरियादी को विश्वास में रखने के लिए 4 करोड़ रु के आरटीजीएस का फर्जी स्क्रीनशॉट दिखाकर वहां से फरार हो गए।

साहिल पिता रमेश नीसवाडे 25 वर्ष निवासी प्लाट नं. 124, जय गुरुदेव नगर, मानेवाडा-बैसा रोड, नागपुर, महाराष्ट्र से कुल नगद राशि 1 करोड़ 73 लाख 16 हजार रु., 04 चार पहिया वाहन 1 करोड़ 12 लाख रु., 19 एंड्रॉयड मोबाइल फोन 7 लाख 75हजार रु., कुल 2 करोड़ 92 लाख 91 हजार रु का माल जप्त किया। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर गिरोह से जुड़े अन्य व्यक्तियों, फर्जी कम्पनी, ई-मेल संचालन, हवाला, आंगड़िया नेटवर्क, बैंक खातों एवं ठगी की राशि के लेन-देन के संबंध में जानकारी एकत्रित की जा रही। जप्त मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की तकनीकी जांच जारी है। उक्त प्रकरण में विवेचना के दौरान पाया गया कि आरोपियो के द्वारा इंदौर में भी इसी प्रकार धोखाधड़ी करने का प्लान बनाया था परंतु राजगढ़ पुलिस द्वारा आरोपियो की गिरफ्तारी की जाने से उक्त प्लान फेल हो गया

आरोपियो के द्वारा इसके पूर्व में पश्चिम बंगाल में 50 लाख एवं दिल्ली पुलिस के अधिकारी के साथ भी 50 लाख की धोखाधड़ी की साथ ही यह भी जानकारी प्राप्त हुई कि आरोपियो के ऑफिस उदयपुर,बंगाल, इंदौर, भोपाल, दिल्ली, मुंबई में भी है।

इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका

उक्त संपूर्ण कार्रवाई में जिला राजगढ़ पुलिस की विशेष टीम के साथ-साथ मुंबई, नांदेड़, लातुर,भदौही, पुणे, हैदराबाद, केरल, तेलंगाना, भोपाल की सिटी पुलिस ने सभी आरोपियो की गिरफ्तारी एवं ठगी गई राशि की बरामदगी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कम समय में पैसा दोगुना करने, अत्यधिक लाभ देने अथवा किसी बड़ी कम्पनी के नाम पर निवेश का लालच देने वाले व्यक्तियों पर विश्वास न करें। किसी भी निवेश से पहले संबंधित कम्पनी एवं योजना का आधिकारिक माध्यम से सत्यापन अवश्य करें।

ईद मिलाद उन नबी के अवसर पर कांग्रेस द्वारा जुलूस का स्वागत

खाचरौद। ईद मिलाद उन नबी के अवसर पर मुस्लिम समाजजन द्वारा निकाले गए जुलुस का स्वागत पूर्व विधायक दिलीपसिंह जी गुर्जर के नेतृत्व में किया गया। जुलुस का स्वागत नगर पालिका अध्यक्ष गोविन्द भरावा, पीसीसी सदस्य अनोखीलाल सोलंकी, ब्लॉक अध्यक्ष जीवन ढोला पाटीदार, शहर कांग्रेस अध्यक्ष शेरू मंसूरी, अजीज पेंटर, नपा उपाध्यक्ष दिनेश ठन्ना, पार्षद नारायण मण्डावलिया, प्रकाश डाबी, संजय नंदेडा, वैभव चौहान आदि ने स्वागत किया।

पैगंबर साहब के जन्मदिवस पर 50 यूनिट रक्तदान

बड़ोद। 12 रबीउल अव्वल के अवसर पर अंजुमन कमेटी के नेतृत्व में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में समाजजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 50 यूनिट रक्तदान किया। आयोजकों ने कहा कि रक्तदान मानव सेवा का महत्वपूर्ण कार्य है। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित इस शिविर के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों की मदद का संदेश दिया गया। इस दौरान रक्तदाताओं एवं आयोजन में सहयोग करने वाले लोगों का सम्मान किया गया। कैंप मे आलम खान असलम खान का विशेष सहयोग रहा, आभार सद्दाम मुल्तानी ने माना इस मौके पर हाजी अब्दुल रशीद जावेद मुल्तानी इश्तियाक शेख अली हुसैन, इमरान काजी, नरेंद्र सूर्यवंशी, आबिदउल्ला एडवोकेट, मोहसिन लाहोरी, मोहसिन मंसूरी ,नईम लाहौरी,गोकुल सिंह राजपूत, उपस्थित रहे।

स्वामी सुखराम दास वैदिक गुरुकुल में संस्कृत सप्ताह के तहत कार्यक्रम

खाचरोद। महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, मध्य प्रदेश शासन के निदेर्शानुसार स्वामी सुखराम दास वैदिक गुरुकुल, रामद्वारा धाम खाचरोद में 25 अगस्त से 31 अगस्त 2026 तक चलने वाले 'संस्कृत सप्ताह' के अंतर्गत प्रथम तीन दिनों के विविध शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुए। प्रथम दिवसः तिलक लगाकर हुआ स्वागत, गूँजे सुभाषित श्लोक संस्कृत सप्ताह के शुभारंभ अवसर (25 अगस्त) पर विद्यार्थियों का तिलक लगाकर अभिनंदन किया गया और परस्पर संस्कृत सप्ताह की शुभकामनाएँ प्रेषित की गईं। सामूहिक दिनाचरण के तहत विद्यार्थियों ने 10 प्रमुख सुभाषित श्लोकों का सस्वर पाठ किया। इस दौरान संस्था निदेशक व प्रधानाचार्य श्री संत रामानुराग, आचार्य योगिराज हर्षराम, आचार्य मयूर शर्मा, सुजल सिंह एवं महेश शर्मा, आदित्य सर की उपस्थित रहे। दूसरे दिन (26 अगस्त) विद्यालय में दैनिक संस्कृत प्रार्थना व दिनाचरण के पश्चात भव्य 'संस्कृत गीत प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में गुरुकुल के छात्र-छात्राओं ने सुमधुर संस्कृत गीतों की प्रस्तुतियाँ देकर सभी का मन मोह लिया।

नागदा में एक ही रात में 4 खेतों में चोरी

मोटर स्टार्टर और केबल वायर ले गए चोर, पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नागदा

नागदा-खाचरौद विधानसभा क्षेत्र में चोरी की वारदातों का सिलसिला थम नहीं रहा है। बुधवार रात नागदा शहर से सटे भगतपुरी गांव में चोरों ने एक साथ चार खेतों को निशाना बनाया। तीन खेतों से मोटर स्टार्टर और केबल वायर चोरी कर लिए गए, जबकि एक खेत में कमरे का दरवाजा और दीवार तोड़ने के बावजूद चोरों के हाथ कुछ नहीं लगा। लगातार हो रही चोरियों से किसानों में चिंता बढ़ गई है।

चोरों ने मिट्ठू जायसवाल के खेत से करीब 15 हजार रुपए का मोटर स्टार्टर चोरी कर लिया। विनोद गुर्जर के खेत से करीब 70 फीट केबल वायर और लोकेश प्रजापत के खेत से करीब 20 फीट केबल वायर ले गए। एक अन्य खेत में चोरों ने कमरे का दरवाजा और दीवार तोड़ दी, लेकिन वहां उन्हें कोई सामान नहीं मिला।

मिट्ठू जायसवाल के अनुसार, चोर खेत में चोरी करने के लिए गेती लेकर आए थे। वारदात के बाद वे गेती मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए। सुबह खेतों पर पहुंचे किसानों को चोरी और तोड़फोड़ की जानकारी मिली।

एक के बाद एक सामने आ रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीण और शहरी इलाकों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ रही है। लोगों का कहना है कि चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के साथ पुराने मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी जरूरी है। विधायक तेज बहादुर सिंह की प्रशासन पर पकड़ को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

चोरी की इन घटनाओं और पुलिस की कार्रवाई को लेकर फिलहाल प्रशासन या पुलिस का आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आया है। पुलिस की जांच और कार्रवाई के बाद ही घटनाओं से जुड़ी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

एक महीने पहले चार मकानों में हुई थी चोरी

करीब एक महीने पहले नागदा के सुनिर नगर क्षेत्र में भी चोरों ने एक ही मोहल्ले के चार मकानों को निशाना बनाया था। इन मामलों में शामिल आरोपी अभी तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर बताए जा रहे हैं। इसके अलावा खाचरौद थाना क्षेत्र में भी पिछले कुछ समय में चोरी की कई घटनाएं सामने आई हैं।

मिलावटी एवं संदिग्ध खाद्य पदार्थो पर सख्ती

35 किलो संदिग्ध मावा और 20 किलो पनीर जब्त

अवन्तिका ▸▸ ब्यावरा-राजगढ़।

कलेक्टर डॉ.गिरिश कुमार मिश्रा के निर्देशन में जिले में मिलावटी एवं संदिग्ध खाद्य पदार्थों के विरुद्ध लगातार सघन जांच एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 27 अगस्त को राजस्व विभाग एवं खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम द्वारा ब्यावरा क्षेत्र में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी एस.एस. खत्री द्वारा की गई कार्रवाई के दौरान श्रीकृष्णा दूध डेयरी राजगढ़ बाईपास ब्यावरा से संदिग्ध मावा एवं पनीर के नमूने लिए गए। साथ ही 35 किलोग्राम संदिग्ध मावा, जिसकी अनुमानित कीमत 9,800 रुपये है की जब्ती की कार्रवाई की गई। इसी प्रकार शारदा दूध डेयरी जगात चौक ब्यावरा से पनीर का नमूना लिया गया तथा 20 किलोग्राम संदिग्ध पनीर, जिसकी अनुमानित कीमत 7,200 रुपये है, की जब्ती की कार्रवाई की गई।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा मिलावटी एवं संदिग्ध खाद्य पदार्थ मावा एवं पनीर के नमूने लिए गए हैं तथा संदिग्ध खाद्य सामग्री की जब्ती की कार्रवाई की गई। लिए गए नमूनों को जांच के लिए भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर के निर्देशन में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा नागरिकों को सुरक्षित एवं शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों, होटल, स्वीट्स एवं किराना दुकानों के निरीक्षण और मिलावटी खाद्य पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई का अभियान लगातार जारी रहेगा।

महंगाई, किसान समस्याओं और जनहित के मुद्दों को लेकर कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ महिदपुर

बढ़ती महंगाई के विरोध में गुरुवार को महिदपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार विरोध प्रदर्शन एवं रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केंद्र एवं राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आमजन की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

रैली के दौरान बीजेपी का देखो खेल, खा गए शक्कर, पी गए तेल! जैसे नारों के साथ महंगाई के खिलाफ विरोध जताया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आमजन के बीच शक्कर वितरित कर बढ़ती कीमतों के प्रति सांकेतिक विरोध दर्ज कराया।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं तराना विधायक महेश परमार ने कहा कि बढ़ती महंगाई से गरीब, किसान, मजदूर और मध्यमवर्गीय परिवारों का घरेलू बजट प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि त्योहारों के समय भी शक्कर, तेल, गैस और रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ना आम जनता के लिए चिंता का विषय है।

विधायक दिनेश जैन बॉस ने कहा कि महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का संघर्ष लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि जनता की आवाज और उसके अधिकारों के लिए सड़क से सदन तक लड़ाई जारी रखी जाएगी। वहीं विधायक महेश परमार ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ह्लअच्छे दिनह्व का वादा करने वालों से आज जनता सवाल पूछ रही है कि आखिर महंगाई से राहत कब मिलेगी। इस अवसर पर ब्लॉक एवं शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षगण, कांग्रेस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

तराना

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान एवं जिला कांग्रेस कमेटी उज्जैन के नेतृत्व में गुरुवार को बढ़ती महंगाई, किसानों की समस्याओं एवं आमजन से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर कांग्रेस कार्यकताओं और किसान साथियों ने एसडीएम कार्यालय के समक्ष जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। धरना-प्रदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी तराना, शहर कांग्रेस कमेटी तराना सहित कांग्रेस संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कप्तान सिंह एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेश रावल सहित कांग्रेसजनों ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारियों ने डीजल-पेट्रोल की बढ़ती कीमतों, पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण, खाद्य तेल, शक्कर, दाल, हल्दी, मिर्च, मसाले, नारियल एवं मिठाई सहित रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के बढ़ते दामों को लेकर चिंता जताई। वहीं किसानों की लंबित फसल बीमा राशि, खाद की उपलब्धता में अनियमितता, बिजली की बढ़ती दरों एवं लगातार बढ़ते बिजली बिलों सहित किसानों और आमजन से जुड़े विभिन्न मुद्दे भी प्रमुखता से उठाए गए। धरना-प्रदर्शन के बाद कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने महामहिम राज्यपाल के नाम एसडीएमको ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से किसानों एवं आम जनता की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने तथा आवश्यक राहत प्रदान करने की मांग की गई।

इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष गजराज सिंह,पूर्व नप अध्यक्ष उमेश शर्मा, नरेंद्र कानडी, रामसिंह सोंती, लक्ष्मीनारायण वर्मा, पवन बारोड़, नगर पंचायत उपाध्यक्ष कामिल कुरैशी, कैलाश गोठी,सुनील गोठी, शेख यासीन, दीपक दवे, धर्मेंद्र गुर्जर, सैय्यद नियामत अली दीपक जनोलिया, विपिन जावा सहित समस्त कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उक्त जानकारी शहर मंडलम अध्यक्ष दीपेश परमार द्वारा दी गईं।

खाचरोद

विधानसभा क्षेत्र नागदा खाचरोद के खाचरोद में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी के निदेर्शानुसार महंगाई के खिलाफ प्रभावशाली विरोध प्रदर्शन किया गया। शक्कर के बढ़ते दाम, रसोई गैस, बिजली के बढ़ते बिल, पेट्रोल-डीजल एवं रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम जनता की परेशानी बढ़ा दी है। इसी के विरोध में कांग्रेसजनों, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं मोर्चा संगठनों ने एकजुट होकर ह्लमहंगाई के खिलाफ जनता की आवाजह्व बुलंद की।इस प्रदर्शन के माध्यम से आमजन की समस्याओं और अधिकारों की आवाज को मजबूती से उठाते हुए बढ़ती महंगाई के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक दिलीपसिंह गुर्जर, नपाध्यक्ष गोविंद भरावा, जनपद अध्यक्ष पृथ्वीराज सिंह पवार, चंद्रप्रकाश चोरड़िया,आदि कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

बड़नगर

बढ़ती महंगाई और भ्रष्टाचार के विरोध में बुधवार को ब्लॉक कांग्रेस और शहर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में मुख्य बाजार में पैदल मार्च निकालकर प्रदर्शन किया गया। हाथों में तख्तियां लिए कांग्रेस कार्यकताओं ने केंद्र और राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस ने पांच सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। कार्यकताओं ने शक्कर के दामों में हो रही बेतहाशा वृद्धि पर रोक लगाने, ए20 पेट्रोल के जबरन उपयोग से वाहन चालकों को हो रही परेशानी को दूर करने, बड़नगर डायवर्शन रोड के निर्माण में हो रही देरी को शीघ्र पूरा करने, डायवर्शन रोड पर अधूरे और अव्यवस्थित नाली निर्माण को दुरुस्त करने और बढ़ते बिजली बिलों से आम जनता को राहत देने की मांग की। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मधुसूदन भारद्वाज, शहर अध्यक्ष रईस कुरैशी, इंगोरिया ब्लॉक अध्यक्ष मोहन सिंह पलदूना, खरसोद कलां भाटपचलाना ब्लॉक अध्यक्ष अनोखीलाल राठौड़, होशियार सिंह राजावत, जगदीश धाकड़ राजेन्द्र सिंह सोलंकी, संजय शर्मा, पंकज जोशी, शैलेंद्र सिंह सिसोदिया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संस्कृति, परंपरा दिल में होती है कपड़ों में नहीं विवाद पर तोड़ी चुप्पी

कृति सैनन आजकल रक्षा बंधन के विज्ञापन की वजह से ट्रोल हो रही हैं। दरअसल, उन्होंने इस विज्ञापन में जिस तरह के कपड़े पहने हैं, वे विवाद की जड़ बने हुए हैं। वह आइवरी रंग के लहंगे के साथ डीप-नेक ब्लाउज और केप में नजर आ रही हैं। रक्षा बंधन जैसे पारंपरिक त्यौहार पर इस तरह के कपड़े पहनकर भाई को राखी बांधने पर बहुत से लोग सवाल उठा रहा हैं। यहां तक कि एक्ट्रेस और सांसद कंगना रनौत ने भी रिएक्ट करते हुए विज्ञापन को जानबूझकर घिनौना बनाने की कोशिश करार दिया। इसके अलावा डॉग को राखी बांधने पर भी कृति को आलोचना झेलनी पड़ी है। अब कृति ने इस पर रिएक्ट किया है। ट्रोल्स को करारा जवाब देते हुए एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर लिखा, ₹फेस्टिवल की असली फीलिंग कपड़ों में नहीं, बल्कि उस संस्कृति और परंपरा में होती है, जिसे आप दिल से मानते हैं।₹ पालतू जानवर को राखी बांधने पर कृति ने कहा कि उनके लिए उनके पेट्स भी परिवार के सदस्य की तरह ही हैं। आखिर हम महिलाओं को ये बताना कब बंद करेंगे कि उन्हें क्या पहनना चाहिए? समय के साथ ट्रेडिशनल फैशन भी बदला है। लेकिन आज भी संस्कृति के प्रति किसी महिला के सम्मान को सिर्फ उसके कपड़ों से क्यों मापा जाता है? संस्कृति और परंपरा दिल में होती हैं।

बिकिनी में राखी बांधोगी भाई को ?

कंगना रनौत ने मंगलवार को कृति के नए विज्ञापन पर रिएक्ट करते हुए तंज कसा। उन्होंने यह सवाल भी किया कि कोई लड़की अपने भाई को बिकिनी पहनकर राखी क्यों बांधेगी ? कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, महिला होने के लिए यह शानदार समय है। हमारी अलमारियां तरह-तरह के कपड़ों से भरी हैं। आज की महिला वैश्विक महिला है-कॉकटेल ड्रेस से लेकर लहंगा-चोली, जीन्स से साड़ी और बिकिनी से सलवार-कमीज तक। आज हमारे पास कपड़ों के इतने विकल्प हैं, फिर आप अपनी बिकिनी/अंतर्वस्त्र में अपने भाई को राखी क्यों बांधोगी?

गोविंदा की बहू बनेगी जॉनी लीवर की बेटी

गोविंदा फिर सुर्खियों में हैं। पत्नी सुनीता के साथ उनका मामला सैटल होता दिख रहा है, लेकिन अब सुर्खियों की नई वजह उनका बेटा बना है। सोशल मीडिया पर अफवाह उड़ी कि गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहुजा की शादी दिग्गज कॉमेडियन जॉनी लीवर की बेटी जेमी से होने वाली हैं। कई वीडियो वायरल हुए, जिनमें इस शादी के दावों ने सनसनी मचा दी। शादी की खबरें आग की तरह इतनी तेजी से फैलीं कि इसकी लपटें जेमी तक भी पहुंचीं और उन्होंने इसका करारा जवाब दिया। जेमी ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए कहा, मुझे पता है कि कई लोग मेरी शादी को लेकर परेशान हैं। वे जानना चाहते हैं कि मैं कब शादी करूंगी, और अब एक एआई वीडियो ने हंगामा मचा दिया है। पहले तो मुझे ये काफी फनी लगा। मैंने इसे इतना सीरियसली नहीं लिया था लेकिन जब लोग कॉल कर मुझे बधाई देने लगे, तब लगा कि अब सबको सच बताने का टाइम आ गया है।₹ जेमी ने साफ किया कि वायरल वीडियो पूरी तरह से फेक है। जेमी ने यशवर्धन का नाम लिए बिना साफ किया कि जिस इंसान के साथ उनकी शादी की झूठी अफवाह फैला जा रही है वह उनके छोटे भाई जैसा है।

Sport

भारत-श्रीलंका कोलंबो टेस्ट ड्रॉ, सोनल दिनूषा ने दोनों पारियों में शतक लगाए

इंडिया 1-0 से सीरीज जीता, जडेजा ने साझेदारी तोड़ी, लाहिरू कुमारा को किया आउट

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत के श्रीलंका दौरे का दूसरा टेस्ट ड्रॉ हो गया है। इसी के साथ भारतीय टीम ने 2 मैचों की सीरीज को 1-0 से जीत लिया है। उसने पहला मैच 165 रन से जीता था।

कोलंबो इंटरनेशनल स्टेडियम में पहली पारी में 290 पर ऑलआउट होने के बाद श्रीलंका को फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। एक समय लग रहा था कि मैच उसके हाथ से निकल गया। लेकिन, सोनल दिनूषा ने दूसरी पारी में नाबाद 133 रन की पारी खेलकर मैच बचाया। आखिरी दिन का खेल समाप्त होने में 17 ओवर बचे थे। तभी दोनों कप्तानों ने हाथ मिला लिया। इस मौके पर श्रीलंका ने दूसरी पारी में 9 विकेट पर 429 रन बना लिए हैं। उसकी बढ़त 216 रन हो गई थी। भारत ने पहली पारी 503/9 पर घोषित की थी।

सोनल दिनुषा ने भारत के खिलाफ दो टेस्ट की सीरीज में तीसरा शतक लगा दिया। उन्होंने पांचवें दिन के आखिरी सेशन की पहली ही गेंद पर मोहम्मद सिराज की गेंद को मिडविकेट की ओर खेलकर 2 रन लिए और अपना शतक पूरा किया। दिनुषा ने हेलमेट उतारकर बल्ला उठाया और स्टैंड्स में मौजूद अपनी मां की ओर भी देखा।

सहवाग के बेटे आर्यवीर की अंडर-19 टीम इंडिया में एंट्री

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर को पहली बार भारत की अंडर-19 टीम में चुना गया है। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए टीम में जगह मिली है।

तीनों मुकाबले सितंबर में राजकोट में खेले जाएंगे। आर्यवीर दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और फिलहाल दिल्ली प्रीमियर लीग में वेस्ट दिल्ली लायंस की ओर से खेल रहे हैं।

राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय को भी वनडे टीम में शामिल किया गया है। अन्वय विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं। यानी, वनडे टीम में वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ के बेटे एक साथ नजर आएंगे। हालांकि, आर्यवीर और अन्वय दोनों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले दो मल्टी-डे मैचों की टीम में जगह नहीं मिली है। आर्यवीर सहवाग ने हाल ही में दिल्ली प्रीमियर लीग के 2026 सीजन में वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए खेला है। वे इससे पहले 2024 में कूच बिहार ट्रॉफी में बड़ी पारी खेलकर चर्चा में आए थे। उन्होंने मेघालय के खिलाफ 297 रन बनाए थे।

भारत और ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीमों के बीच तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। तीनों मुकाबले राजकोट में होंगे। तीनों मुकाबले सुबह 9 बजे से शुरू होंगे।

नैनो न्यूज

- **प्रज्ञानानंदा फाइनल में पहुंचे** – आर. प्रज्ञानानंदा ने ग्रैंड चेस टूर फाइनल में जगह बनाकर बड़ी उपलब्धि हासिल की है।
- **भारत-पनामा फुटबॉल मुकाबला तय** – भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम 26 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में पनामा से भिड़ेगी।
- **हॉकी में भारत के प्रदर्शन पर सवाल** – विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भारतीय पुरुष हॉकी की रणनीति और विकास व्यवस्था पर चिंता बढ़ी है।
- **बोपन्ना चयन विवाद में मुखर** – एशियन गेम्स टेनिस टीम के चयन और खिलाड़ियों की संख्या घटाने को लेकर रोहन बोपन्ना ने सवाल उठाए हैं।
- **इंडिया ओपन 2028 गुवाहाटी में** – बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने 2028 इंडिया ओपन की मेजबानी गुवाहाटी में कराने की पुष्टि की।
- **नेपाल क्रिकेट की तेजी से बढ़ती ताकत** – आईसीसी ने नेपाल के क्रिकेट विकास की सराहना करते हुए उसे भविष्य की बड़ी एसोसिएट क्रिकेट ताकतों में माना है।

भारत के न्यूजीलैंड दौरे के टिकटों की रिकॉर्ड बिक्री

पहले 48 घंटे में 26 हजार टिकट बिके

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत के न्यूजीलैंड दौरे के लिए पहले 48 घंटे में 26 हजार टिकट बिक गए हैं। यह न्यूजीलैंड क्रिकेट की प्री-सेल में रिकॉर्ड मांग है।

यह दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा और 1 दिसंबर तक चलेगा। दोनों टीमों के बीच 5 टी-20, 5 वनडे और 2 टेस्ट खेले जाएंगे। भारतीय टीम 2019-20 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड में टेस्ट सीरीज खेलेगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, ऑकलैंड के ईडन पार्क में होने वाले व्हाइट-बॉल मुकाबलों के टिकट सबसे तेजी से बिक रहे हैं। यहां सीरीज का चौथा टी-20 और पहला वनडे खेला जाएगा।

क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में भी टिकटों की भारी मांग है। करीब 9 हजार दर्शकों की क्षमता वाले इस मैदान पर भारत और न्यूजीलैंड के बीच शुरूआती दो टी-20 मैच 22 और 24 अक्टूबर को खेले जाएंगे। इसी मैदान पर दौरे का दूसरा और आखिरी टेस्ट भी खेला जाएगा। यह मुकाबला 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक होगा और इसके टिकटों की बिक्री भी तेजी से हो रही है। वेलिंगटन में होने वाले मुकाबलों के लिए भी शुरूआती बिक्री मजबूत रही है। हेनरी स्टेडियम में सीरीज का तीसरा टी-20 और दूसरा वनडे खेला जाएगा। वहीं, पहला टेस्ट सेलो बेसिन रिजर्व में 19 नवंबर से शुरू होगा।

जमीन बेचना है
ग्राम सुमराखेड़ा (तहसील तराना) में मेन रोड से एक खेत छोड़कर रेल पटरी से दक्षिण दिशा में भूमि खेत साढ़े तीन बीघा एवं बिड़ ढाई बीघा बेचना है।
संपर्क करें
940 6801069

किराए से देना है
ऑफिस किराए से देना है सी/21 नानाखेड़ा बस स्टैंड के सामने श्रीगंगा के ऊपर प्रथम मंजिल फ्रंट साईड लगभग 500 वर्ग फिट फाइनेंस कंपनी,या मोबाईल कंपनी को प्राथमिकता दी जावेगी
संपर्क करें - रवि गुप्ता
9926466157

प्रॉपर्टी बेचना है
प्रॉपर्टी बेचना है इंदौर में 1. 700, sqft शॉप मेन रोड, 2. 1500,sqft plot भवर कुआं चौराहे पर, 3. 1500,sqft plot पर बना हुआ शोरूम मेन खंडवा रोड पर, 4. 2,लाख किराए पर लगे बैंक, 5. हॉस्टल विष्णुपुर में, 6. शोरूम विजय नगर में, 7. 1200,sqft रानी बाग में 8. 1500,sqft इंद्रपुरी में 9. रेस्टोरेंट विजय नगर में, 10. लक्जरी फार्म हाउस
संपर्क करें
पीसी राजपूत रीयल एस्टेट
9893713817

दुकान बेचना है
प्राईम लोकेशन कंठाल चौराहा की दुकान बेचनी है।
साईज - 10x11
हाईट- 15 फीट
मोबाइल
8518800456
9981310034

किराए से देना है
शहर के मध्य, पुराने दारू गोदाम के सामने, बुनकर समिति के अंदर 1500 & 2000 SQFT कमर्शियल व गोडाउन उपयोग हेतु 16 फीट ऊंचाई टीन शेड, बोरिंग सुविधा, अटैच लेट-बाथ, सर्व सुविधा युक्त
6267735937

मकान बेचना है
साईज 16X25, चार मंजिला होमस्टे हेतु उपयुक्त। कुंआ, दुकान सहित मकान बेचना है
पता
रामरतन शर्मा मार्ग, उज्जैन
फोनः 7869850570
9827832632

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक-युवती की। पेन्ट-शर्ट बनाने वाले कारीगर की भी आवश्यकता है।
संपर्क करें
9575555715,
9425094114

प्रवेश प्रारंभ
आवश्यकता है:- शिक्षक / शिक्षिकाओं की (अंग्रेजी माध्यम स्कूल में)
योग्यता :- ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट,
आफिस समय
10 से 01 बजे तक
आवेदनः 23-06-2026
सेन्ट मदार कान्वेंट स्कूल
36, मदार गेट सरदार स्टील के पास उज्जैन
फोन नम्बरः-2557390

आवश्यकता
अशासकीय विद्यालय श्री संस्कृति कॉ. मि. स्कूल भैरवगढ़ में अध्यापन हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित को प्राथमिकता-
योग्यता- B.E.D/D.E.D./Deled
वेतन- 7000 से 8000 प्रतिमाह
राजेश राव हाण्डे- 9977588698
Head Master
Shri Sanskriti Convent
Middle School, Bhairavgar

खरीदना / किराए से चाहीए
उज्जैन में कोई भी छोटी होटल या होम स्टे, जो चालू अवस्था में हो खरीदना / किराए से चाहीए
संपर्क
9893374872

बेचना है
अगरबत्ती का कारखाना बेचना है, वियतनाम ऑटोमैटिक मशीन। ड्रायर मिक्सर और अन्य सामान बेचना है। स्थान- नागझिरी, उज्जैन
संपर्क
9111328540

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

आवश्यकता
छुरी वाली कटिंग मशीन एवं सर्कलकटिंग मशीन ऑपरेटर की जो दोनों मशीन चलाना जानता हो, चौकीदार की जो रात दिन फैक्ट्री पर रह सके.
संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 मक्सी रोड इंडस्ट्रियल एरिया प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

न्यूज कॉलम

झाबुआ जेल में बंद भाई को राखी बांधने पहुंची बहनें

झाबुआ। झाबुआ जिला जेल में शुक्रवार को रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न मामलों में बंद अपने भाइयों से मिलने और राखी बांधने के लिए सुबह 8 बजे से ही जेल के बाहर बहनों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जेल के भीतर भाई-बहनों के बीच भावनात्मक मुलाकातें हुईं। दोनों के आंसू छलक गए। पर्व की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला जेल प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए थे। जेल के बाहर परिजनों के बैठने के लिए टेंट लगाए गए थे, साथ ही पूजन सामग्री और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था भी की गई थी। जेल में प्रवेश के लिए सुरक्षा जांच अनिवार्य थी, जिसमें मेटल डिटेक्टर से गुजरना और आधार कार्ड दिखाना शामिल था।

पेटलावद में श्रावणी उपाकर्म का आयोजन, धारण किए नए यज्ञोपवीत

झाबुआ। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर ब्राह्मण एवं वैदिक परंपरा का प्रमुख प्रतीक श्रावणी उपाकर्म (यज्ञोपवीत) पूरी श्रद्धा और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। यह धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन ब्राह्मण समाज पेटलावद द्वारा पम्पावती नदी के तट पर स्थित श्री सरस्वती नंदन स्वामी भजनाश्रम पर संपन्न हुआ। इसमें समाज के कई गणमान्य जनों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पंडित अरविंद भट्ट ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सभी विधिकर्म संपन्न करवाए। इस महत्वपूर्ण संस्कार में हेमेंद्र द्विवेदी, राजेंद्र शुक्ला, राजेश पालीवाल, रामकृष्ण शर्मा, कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र द्विवेदी, नरेश नारायण शुक्ल, पंडित आशुतोष दवे, हेमांगराज भट्ट, प्रसून शुक्ल और देवेश भट्ट (इंदौर) विशेष रूप से उपस्थित रहे।

जेल में भाइयों को राखी बांधती बहनों के छलके आंसू

धार। धार जिला जेल में रक्षाबंधन का पर्व भावुक माहौल में मनाया गया। बड़ी संख्या में बहनें अपने भाइयों से मिलने पहुंचीं, जहां उन्होंने उनकी कलाई पर राखी बांधी और मिठाई खिलाई। बहनों ने भाइयों को मिठाई खिलाई और उनके जल्द घर लौटने की कामना की। इस दौरान कई बहनों की आंखों से आंसू छलक पड़े, जिससे माहौल भावुक हो गया। जेल में बंद भाइयों में कुछ ऐसे थे जो कई वर्षों से सजा काट रहे हैं, जबकि कुछ महीनों या कुछ दिन पहले ही जेल पहुंचे थे। इन सभी से मिलने उनकी बहनें पहुंची थीं। जेल प्रशासन ने रक्षाबंधन के अवसर पर बहनों को भाइयों से मुलाकात का विशेष अवसर प्रदान किया। बहनों ने भाई के माथे पर तिलक लगाया और उनकी लंबी उम्र की कामना की।

5 बसों से 21500 का जुर्माना वसूला

धार में नियमों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई
लोगों को परेशानी सामने आने पर एक्शन

धार। धार के घाटा बिल्लोद में बसों के बाईपास से गुजरने और यात्रियों को हो रही परेशानी के बाद आरटीओ ने कार्रवाई की है। धार कलेक्टर के निर्देश पर आरटीओ हृदेश यादव ने बस संचालकों को बसें सीधे घाटा बिल्लोद से होकर चलाने के निर्देश दिए। नियमों का उल्लंघन करने वाली बसों पर चालानी कार्रवाई भी की गई। घाटा बिल्लोद के औद्योगिक क्षेत्र में चंबल नदी पर नया पुल बनाया जा रहा है। इसके चलते पुराना पुल तोड़ दिया गया है। रास्ता बंद होने से पहले यहां से रोज 100 से ज्यादा बसें गुजरती थीं। अब यात्री बसें घाटा बिल्लोद को छोड़कर बाईपास से निकल रही हैं। बसों के बाईपास से जाने के कारण स्थानीय यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों को बस पकड़ने के लिए डेढ़ से दो किलोमीटर पैदल जाना पड़ रहा है। आरटीओ हृदेश यादव ने इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग के पानखेड़ी बाईपास पर विभाग की टीम तैनात की। टीम ने धार से इंदौर और रतलाम से इंदौर जाने वाली बसों की जांच की। बस संचालकों को घाटा बिल्लोद होकर जाने के निर्देश दिए गए। ओवरलोड बसें भी मिलीं, दस्तावेजों की जांच जांच के दौरान कई बसें नियमों का उल्लंघन करती मिलीं। कुछ बसें ओवरलोड थीं। कुछ के पास लाइसेंस और परमिट जैसे जरूरी दस्तावेज नहीं मिले। कई बसें गलत दिशा से भी गुजर रही थीं।

नैनो न्यूज

- **शेयर बाजार में तेजी** – सेंसेक्स करीब 200 अंक चढ़ा, जबकि निफ्टी 24,120 के पार पहुंचा। आईटी शेयरों में खास मजबूती रही।
- **आईटी शेयरों में जोरदार खरीदारी** – आईटी इंडेक्स करीब 3% ऊपर रहा। एनविडिया के मजबूत प्रदर्शन से भारतीय टेक शेयरों को सपोर्ट मिला।
- सोना-चांदी सस्ते – 28 अगस्त को घरेलू कमोडिटी बाजार में सोने और चांदी दोनों में गिरावट दर्ज हुई। टउ पर सोना 1,58,028/10 ग्राम और चांदी 2,39,633/किलो के आसपास रही।
- **एलपीजी सिलेंडर के दाम स्थिर** – 28 अगस्त को घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया।
- **इंदौर** : इस्कॉन बलराम पूर्णिमा महोत्सव शुरू: फूलों से सजा मंदिर, विशेष पूजन हो रहा, झूलन यात्रा का समापन भी।
- **इंदौर** : क्रेडिट कार्ड ऑफर का झांसा देकर 98 हजार ठगे, आरोपी ने बैंक कर्मचारी बनकर महिला से दो बार ओटीपी लेकर रकम निकाली।
- **इंदौर** : 16 लाख उधार लेकर कारें हड़पीं, दंपती पर एफआईआर, मर्सिडीज और स्विफ्ट गिरवी रखकर लिए रुपए, एक बेच दी, दूसरी भी नहीं लौटाई।

रक्षाबंधन पर मातुश्री पालरेचा परिवार की ओर से हाथ से तैयार की गई 40 बाय 40 इंच की राखी

इंदौर में खजराना गणेश को अर्पित की सनातनी राखी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

रक्षाबंधन पर मातुश्री पालरेचा परिवार की ओर से हाथ से तैयार की गई 40 बाय 40 इंच की भव्य सनातनी राखी शुक्रवार सुबह सबसे पहले विश्व प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर में भगवान गणेश को अर्पित की गई। विशेष पूजा-अर्चना के बाद राखी भगवान को समर्पित की गई। इस दौरान मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

खजराना गणेश मंदिर में पुजारी अशोक भट्ट, पुनीत भट्ट और सतपाल महाराज के निर्देशन में पूजा हुई। इस दौरान शांतु पुंडरीक पालरेचा, नानेश पालरेचा और शैलेन्द्र गुप्ता मौजूद रहे। खजराना गणेश को राखी अर्पित करने के बाद इसे बाबा महाकाल, अलिजा सरकार, बड़ा गणपति, छोटा गणेश और चिंतामणि गणपति को भी अर्पित किया गया। इस बार राखी की थीम वंदे मातरम के 150 वर्ष और राष्ट्रभाव पर आधारित है। कमल के भव्य आकार में तैयार राखी में राष्ट्रीय चेतना, सनातन संस्कृति और भारतीय गौरव से जुड़े प्रतीकों को उकेरा गया है।

राखी में बाबा महाकाल, भगवान जगन्नाथ, मां महाकाली और मां महालक्ष्मी के स्वरूपों को स्थान दिया गया है। इसमें आगामी सिंहस्थ, महाकाल लोक, सांस्कृतिक एकता, समृद्धि और सनातन शक्ति का संदेश भी दिया गया है।

भोजशाला में मां वाग्देवी की पुनर्स्थापना का संकल्प

राखी में मां वाग्देवी के स्वरूप को भी उकेरा गया है। इसके जरिए लंदन संग्रहालय में रखी ऐतिहासिक प्रतिमा को धार की भोजशाला में पुनर्स्थापित करने के संकल्प को भी दर्शाया गया है।

दर्शन के लिए पालरेचा परिवार के यहां उमड़ी भीड़

राखी को मंदिरों में अर्पित करने से पहले मल्हारगंज स्थित पालरेचा परिवार के यहां इसे दर्शन के लिए रखा गया। सुबह से ही शहरवासी बड़ी संख्या में राखी के दर्शन करने पहुंचे।

महापौर ने सफाईमित्र बहनों से बंधवाई राखी

सफाई मित्र बहनों का किया सम्मान, बोले - शहर की स्वच्छता की असली ताकत आप

दैनिक अवन्तिका ▸▸ धार

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सुदामा नगर स्थित निवास पर शहर की सफाई व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली सफाई मित्र बहनों से राखी बंधवाकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया।

महापौर भार्गव ने सफाई मित्र बहनों का आत्मीय स्वागत करते हुए उनसे राखी बंधवाई और उन्हें रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सफाई मित्र बहनें रोजाना अपने परिश्रम और समर्पण से इंदौर को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उनका सम्मान करना और उनके साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाना उनके लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते का पर्व नहीं, बल्कि स्नेह, सम्मान और जिम्मेदारी के रिश्ते को मजबूत करने का अवसर भी है। सफाई मित्र बहनें जिस समर्पण के साथ शहर की सेवा कर रही हैं, वह सभी के लिए प्रेरणादायी है।

इंदौर की स्वच्छता की पहचान के पीछे सफाई मित्रों की मेहनत सबसे बड़ी ताकत है। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में उनका योगदान सदैव याद रखा जाएगा। इस दौरान सफाई मित्र बहनों ने भी महापौर को राखी बांधकर उनके स्वस्थ एवं सफल जीवन की कामना की। महापौर ने सभी बहनों के साथ रक्षाबंधन की खुशियां साझा कीं और उनके प्रति सम्मान एवं आभार व्यक्त किया।

नाबालिगों से चोरी कराते थे दुपहिया

5 से 10 हजार में बेचते थे, 4 गिरफ्तार और 11 वाहन जब्त

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

तेजाजी नगर पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए दो नाबालिग समेत चार आरोपियों को पकड़ा है। आरोपियों के कब्जे से अब तक करीब 11 दोपहिया वाहन बरामद किए गए हैं। पूछताछ में सामने आया कि नाबालिग वाहन चोरी करते थे, जबकि उनके दो साथी चोरी के वाहनों को ठिकाने लगाने का काम करते थे।

टीआई देवेंद्र मरकाम की टीम ने उमरीखेड़ा शराब दुकान के पास चार संदिग्धों को एक मोपेड और बाइक के साथ पकड़ा था। पूछताछ में आरोपियों की पहचान प्रकाश तंवर और मुकेश उर्फ कालू मसानिया के रूप में हुई। उनके साथ दो नाबालिग भी थे। जांच में दोनों वाहन चोरी के आरोपी निकले। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों से अलग-अलग इलाकों से चोरी किए गए करीब नौ और वाहन बरामद किए। पूछताछ में पता चला कि दोनों नाबालिग नशे के आदी हैं। खर्च जुटाने के लिए वे वाहन चोरी करते थे। दोनों की पहचान प्रकाश और मुकेश से थी। आरोपियों को जब नाबालिगों के वाहन चोरी करने की जानकारी हुई तो उन्होंने चोरी के वाहनों को बेचने में मदद करना शुरू कर दिया। आरोपी चोरी की बाइक और मोपेड को 5 से 10 हजार रुपए में बेच देते थे। पुलिस अब बरामद वाहनों के वास्तविक मालिकों और चोरी की घटनाओं का रिकॉर्ड खंगाल रही है। पुलिस के मुताबिक दोनों नाबालिग भंवरकुआ और राजेंद्र नगर क्षेत्र के रहने वाले हैं और उनके खिलाफ पहले से भी अपराध दर्ज हैं।

ऋषभदेव गौरव न्यास का सम्मान समारोह 18 अक्टूबर को इंदौर में

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर नगर एवं अंचल की प्रतिभाओं को सम्मानित एवं प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वर्ष 2013 में गठित ऋषभदेव गौरव न्यास इंदौर की साधारण सभा ग्राम सोनवाय (राऊ) स्थित टीएनए सॉल्यूशंस लिमिटेड के सभागार में संपन्न हुई जिसमें सवार्नुमति से निर्णय लिया गया कि गौरव न्यास का सातवां सम्मान समारोह आगामी 18 अक्टूबर को रविंद्र नाट्य ग्रह इंदौर में संपन्न होगा। समारोह की अध्यक्षता प्रोफेसर डॉ अनुपम जैन करेंगे। न्यास के मंत्री जैनेश झांझरी ने बताया कि सेवा के क्षेत्र में सतत निष्पक्ष एवं समाज कल्याण की उत्कृष्ट भावना से समाज की सेवा करने वाले 60 वर्ष से अधिक आयु वाले समाजसेवी को जैन समाज गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाता है एवं 45 वर्ष से कम आयु वाले किसी एक ऐसे युवा को जैन युवा गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाता है जिसने कला,साहित्य, विज्ञान, तकनीक, अनुसंधान एवं खेलकूद आदि क्षेत्र में अपनी प्रतिभा एवं समर्पण से समाज का गौरव बढ़ाया हो। इन दोनों पुरस्कार के लिए चयनित प्रतिभा को पुरस्कार के रूप मे 1 लाख 11 हजार रुपए की राशि, शाल श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाता है। इसके अलावा जैन धर्म के गौरव में अभिवृद्धि करने वाले मनीषी विद्वान को जैन धर्म गौरव सम्मान एवं समाज की पांच अन्य युवा प्रतिभाओं को भी प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

गैस ब्लास्ट ने शरीर झुलसाया, हौसला नहीं

जिनी की नहीं टूटी हिम्मत अस्पताल में भाइयों को राखी बांधी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इस बार रक्षाबंधन जिनी झाला के लिए सिर्फ भाई-बहन के रिश्ते का त्योहार नहीं, बल्कि जिंदगी की नई शुरूआत का दिन बन गया। इंदौर के गैस ब्लास्ट में गंभीर रूप से झुलसने के बाद करीब दो महीने से इलाज और रिकवरी से गुजर रहीं जिनी की कलाई पर अहमदाबाद के अस्पताल में उनके भाइयों यशवीर सिंह, राजवर्धन सिंह और रिद्धिराज सिंह ने राखी बांधी। भाइयों ने हर मुश्किल में बहन के साथ खड़े रहने का संकल्प लिया।

गंभीर चोटों और लंबे इलाज के बावजूद जिनी ने भाइयों के साथ मुस्कुराते हुए रक्षाबंधन मनाया। उनके चेहरे पर दर्द के साथ जिंदगी में लौटने का भरोसा भी नजर आया। जिनी का कहना है कि हादसे ने उनकी जिंदगी जरूर बदल दी, लेकिन उनके हौसले को नहीं तोड़ पाया।

इंदौर में 23 जून को सुमन नगर जैन मंदिर के पास अवंतिका गैस पाइपलाइन में विस्फोट हो गया था। हादसे में कुल 4 लोग झुलस गए। घायलों में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर गिरी राजकुमारी झाला भी शामिल रही। करीब दो महीने की रिकवरी के बाद जिनी अब जिंदगी को नए नजरिए से देख रही हैं। उनका कहना है कि उनका लक्ष्य केवल हादसे से पहले वाली जिंदगी में लौटना नहीं, बल्कि पहले से ज्यादा मजबूत, आत्मविश्वासी और बेहतर बनकर वापस आना है।

पूज्य सुधासागर जी के सानिध्य में ऐतिहासिक रक्षाबंधन विधान

पंडाल में गूंजा रक्षा-वंदन का संकल्प

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर दलाल बाग, छत्रपति नगर में मुनि पुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज के सानिध्य में श्रमण संस्कृति रक्षा दिवस के रूप में भव्य रक्षाबंधन विधान संपन्न हुआ। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि पूरा पंडाल रक्षा-वंदन करो, श्रमण संस्कृति रक्षक जयवंत हो के जयघोषों से पूरा पंडाल गूंज उठा।

गुरुदेव ने अपनी देशना में सुनाया 700 मुनिराजों के उपसर्ग का प्रसंग धर्मसभा में गुरुदेव ने आचार्य अकंपनाचार्य सहित 700 मुनिराजों पर आए भयंकर उपसर्ग का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का नहीं, बल्कि धर्म और साधु-संतों की रक्षा का पर्व है। गुरु देव ने हजारों की संख्या में पधारे समाज जन को संबोधित करते हुए कहा कि परिवार और समाज में अहंकार को ऊपर रखने से संबंधों में दरार आती है। हर लड़ाई जीतना जरूरी नहीं, कई लड़ाइयों से दूर रहना ही सबसे बड़ी जीत है। दुष्टता का उत्तर दुष्टता से नहीं, संयम और विवेक से देना चाहिए। धर्म प्रभावना समिति के सपनामनीष गोधा ने कहा कि लाखों श्रीफलों से सजा अद्भुत दृश्य। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने गुरु चरणों में लाखों श्रीफल समर्पित कर श्रमण संस्कृति, देव-शास्त्र-गुरु की रक्षा का सामूहिक संकल्प लिया।

विधान में चक्रवर्ती अध्यक्ष मनीष सपना गोधा आलोक आकाश कोल आनंद नवीन गोधा, महोत्सव अध्यक्ष अशोक डोसी, महामंत्री हर्ष जैन, , आशारानी पंड्या, डॉ जैनेन्द्र जैन प्रिंसपाल टोंग्या, गिरीश गिन्नी, अक्षय कासलीवाल, राहुल स्पोर्ट्स, भूपेंद्र भोपाली कमल जैन चेलेंजर सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। विधान की समस्त धार्मिक क्रियाएं प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप ब्रह्मचारी,पारस भैया द्वारा संपन्न कराई गईं।

पहचान छिपाकर युवती से दोस्ती

दुष्कर्म-ब्लैकमेलिंग का आरोप

असली नाम पता चला तो धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

लसूड़िया थाना क्षेत्र में एक युवती ने युवक पर पहचान छिपाकर दोस्ती करने, जबरन शारीरिक संबंध बनाने, अश्लील फोटो-वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी वारिश उर्फ वीरू के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि साल 2019 में एक दोस्त के माध्यम से उसकी मुलाकात आरोपी से हुई थी। उस समय आरोपी ने अपना नाम वीरू बताया था। दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और करीब छह महीने तक संपर्क में रहे।

पीड़िता के मुताबिक, 8 फरवरी 2020 को आरोपी उसे फिल्म दिखाने के बहाने बॉम्बे हॉस्पिटल के पीछे स्थित एआर होटल ले गया। यहां आरोपी ने उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता का आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने उसकी आपत्तिजनक फोटो और वीडियो भी बना लिए। जब युवती ने फोटो-वीडियो डिलीट करने को कहा तो आरोपी ने उन्हें हटाने का आश्वासन दिया। इसके बाद दोनों के बीच संपर्क बना रहा।

शादी की बात सामने आई तो दूरी बनाई

शिकायत के मुताबिक, बाद में पीड़िता को पता चला कि आरोपी किसी अन्य युवती से शादी करने वाला है। इसके बाद उसने उससे दूरी बना ली। साल 2022 में आरोपी ने दोबारा उससे संपर्क किया और कहा कि वह अपनी शादीशुदा जिंदगी से खुश नहीं है और उससे शादी करना चाहता है। पीड़िता ने जब शादी से इनकार किया तो आरोपी ने उसके आपत्तिजनक फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देना शुरू कर दिया।

पीड़िता का आरोप है कि बाद में जब वह आरोपी से दोबारा मिली तो उसे उसकी असली पहचान के बारे में पता चला। युवती के मुताबिक, आरोपी का असली नाम वारिश पुत्र रफीक शेख है और उसने पहले अपनी पहचान वीरू के रूप में बताई थी। पहचान छिपाकर उससे दोस्ती करने को लेकर पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी ने उसे डराया-धमकाया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपी उस पर शादी करने के साथ धर्म परिवर्तन का भी दबाव बना रहा था। उसने धर्म बदलने से इनकार किया तो आरोपी ने आपत्तिजनक फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी दी और कथित तौर पर दोबारा उसके साथ जबरदस्ती की।

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapress@gmail.com